पौष कृष्ण - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 171 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 14-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी'

6 दान, ध्यान और स्नान का पर्व है मकर संक्रांति

4 अन्याय करने वालों की नाक रगड़वाकर दिलाएंगे हक का पैसा : बेनीवाल

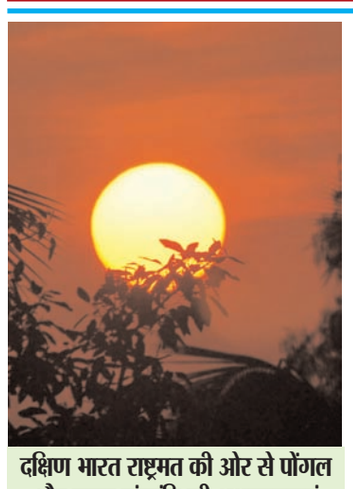

दक्षिण भारत राष्ट्रमत की ओर से पोंगल और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के कार्यालय में पोंगल / मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को सम्पूर्ण अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 16 जनवरी को प्रकाशित होगा। - व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

भारत ने बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त नूर-अल-इस्लाम को तलब किया और उन्हें बताया कि भारत ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर बाड़ लगाने के निर्माण में सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया है। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को पड़ोसी देश के विदेश मंत्रालय द्वारा तलब किए जाने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ''गतिविधियों'' पर अपनी ''गहरी चिंता'' व्यक्त करने के एक दिन बाद भारत ने यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नूर-अल-इस्लाम को बताया गया कि भारत ने सीमा पर सुरक्षा उपायों के संबंध में दोनों सरकारों के बीच सभी प्रोटोकॉल और समझौतों का पालन किया है। भारत ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश द्वारा पूर्व में दोनों देशों के बीच बनी सभी सहमतियों को लागू किया जाएगा तथा सीमा के आर-पार अपराधों से निपटने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो/एपी। दक्षिण-पश्चिमी जापान में सोमवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के बाद सुनामी की आशंका के कारण लोगों को तटीय क्षेत्रों से दूर रहने को कहा गया, लेकिन बाद में सुनामी की चेतावनी वापस ले ली गई। किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। एहतियात के तौर पर कुछ तटीय क्षेत्रों के निवासियों को वहां से हटने को कहा गया।

14-01-2025 सूर्यास्त 6:12 बजे | 15-01-2025 सूर्योदय 6:45 बजे

BSE	NSE
76,330.01	23,085.95
(-1,048.90)	(-345.55)

सोना	चांदी
8,245 रु.	91,599 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युग सुरसा

कब वक्त रहा सस्ताई का,
केवल यह सबको भ्रम भाई।
सब मांग पूर्ति का संतुलन,
बाजार बना सबका सांई।
कुछ की दर घटा बढ़ा कुछ कर,
भ्रम फैलाते हैं सौदाई।
सरकार बने दातार मगर,
युग सुरसा है यह मँहगाई।।

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के प्रतीक

'महाकुंभ' की हुई शुरुआत

पहले स्नान पर्व पर 1.65 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई, श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ महाकुंभ मेला सोमवार से प्रारंभ हो गया। मेल प्रशासन के मुताबिक, सोमवार को शाम छह बजे तक 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान, श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी श्रद्धालुओं, संत महात्माओं, कल्पवासियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए महाकुंभ के प्रथम स्नान की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महाकुंभ को भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बताया।

मेला प्रशासन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि महाकुंभ 2025 के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को शाम छह बजे तक 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

मेला प्रशासन के मुताबिक, पहले स्नान पर्व के दौरान सभी घाटों और अखाड़ों पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई। उसने बताया कि उद्यान विभाग ने पुष्पवर्षा के लिए खासतौर पर गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की थी और महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर लगभग 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियां बरसाने की तैयारी है।

पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए तीर्थ पुरोहित राजेंद्र मिश्र ने बताया कि पौष माह के शुक्ल पक्ष के 15वें दिन पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान से सभी तरह के पाप मिट जाते हैं। उन्होंने कहा, पौष पूर्णिमा के साथ एक महीने तक चलने वाला कल्पवास भी आज से प्रारंभ हो गया। इस दौरान लोग एक माह तक तीनों समय गंगा स्नान कर एक प्रकार का तप वाला जीवन व्यतीत करते हैं और भगवान के भजन गाते हैं।

महाकुंभ भारत की सनातन विरासत का प्रतीक : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारतीय मूल्यों और संस्कृति को धारण करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक विशेष दिवस महाकुंभ 2025 प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है, जहां असंख्य लोग आस्था, समर्पण और संस्कृति के एक पवित्र संगम में एकत्र हो रहे हैं। महाकुंभ भारत की सनातन विरासत का प्रतीक है। उन्होंने लिखा, मैं असंख्य लोगों के वहां आकर डुबकी लगाते और संतों का आशीर्वाद लेते देखकर अभिभूत हूं। सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के शानदार प्रवास की कामना करता हूं।

मेला क्षेत्र में स्नान के बाद लोगों की भीड़ अखाड़ों में नागा साधुओं का आशीर्वाद लेती हुई दिख रही है। वहीं, सेक्टर-16 में स्थित किन्नर अखाड़ा में भी भारी संख्या में लोग किन्नर संतों का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं।

कम धन आवंटन कर

केंद्र ने कर्नाटक को धोखा दिया : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्यों को आवंटित 1,73,030 करोड़ रुपये में से मात्र 6,310 करोड़ रुपये आवंटित कर राज्य के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने इस 'विश्वासघात' के खिलाफ चुप्पी साधने के लिए भाजपा की कर्नाटक इकाई के नेताओं की भी आलोचना की।

सिद्दरामय्या ने एक बयान में कहा कि उन्होंने जानबूझकर कुछ दिन इंतजार किया और उन्हें उम्मीद थी कि कर्नाटक में भाजपा नेता कन्नड़ लोगों के लिए कुछ बोलने का साहस जुटाएंगे, जो वे नहीं कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के हक के लिए लड़ने के बजाय वे (भाजपा नेता) प्रदेश के साथ इस गंभीर विश्वासघात के लिए मोदी की प्रशंसा करने में व्यस्त हैं। उन्होंने पूछा कि क्या 'कर्नाटक से उसका हक छीने जाने के बावजूद दिल्ली के आगे झुकना' ही भाजपा नेताओं का नेतृत्व है।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार) सरकार का कर्नाटक के साथ विश्वासघात पूरे जोरों पर है। राज्यों को आवंटित 1,73,030 करोड़ रुपये में से कर्नाटक को मात्र 6,310 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जो पिछली किस्तों की तुलना में चौंकाने वाली गिरावट है।

तमिलनाडु के इरोड में पुलिस उपनिरीक्षक ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड (तमिलनाडु)/भाषा। इरोड में 38 वर्षीय पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) ने सोमवार को अपने आवास में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। इरोड टाउन थाने में एसआई के रूप में कार्यरत शशिकुमार रविवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद अराचलुर स्थित अपने घर के लिए रवाना हुए थे।

सोमवार सुबह करीब सात बजे शशिकुमार ने अपने उच्च अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया, लेकिन सुबह 11 बजे तक जब उनके घर के दरवाजे बंद रहे तो पड़ोसियों को शक हुआ। पुलिस ने बताया कि वह उनके घर गए और देखा की शशिकुमार ने फांसी लगा ली है।

पुलिस ने बताया कि पड़ोसियों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दोपहर के समय उन्हें इरोड सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

अराचलुर पुलिस ने आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

'पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र'

वहीं से जम्मू-कश्मीर में हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा : सेनाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का 'केंद्र' है और वहीं से जम्मू-कश्मीर में हिंसा के कुचक्र को 'संचालित' किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश की समग्र स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रण में बताया।

सेना दिवस से पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से पर्यटन की तरफ ले जाने की 'थीम' धीरे-धीरे आकार ले रही है। उन्होंने कहा कि सेना को आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए आपातकालीन खरीद के लिए भी अनुमति दे दी गई है।

थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना के साथ 2021 का 'संघर्ष विराम' जारी है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं।

तनाव कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम के तहत भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं ने 25 फरवरी, 2021 को घोषणा की कि वे 2003 के युद्धविराम समझौते के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हुए एलओसी पर गोलीबारी बंद कर देंगी।

जनरल द्विवेदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में हिंसा 'आतंकवाद के केंद्र पाकिस्तान' द्वारा 'संचालित' किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ महीनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। सेना प्रमुख ने कहा, पिछले साल मारे गए आतंकवादियों में से 60 प्रतिशत पाकिस्तान मूल के थे। आज तक (कश्मीर) घाटी और जम्मू क्षेत्र में जो भी शेष बचे हैं, हमें लगता है कि उनमें से लगभग 80 प्रतिशत या उससे अधिक पाकिस्तान मूल के हैं।

जनरल द्विवेदी ने जोर देकर कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में स्थिति 'पूरी तरह से नियंत्रण में' है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सीमा पर आतंकी ढांचा ''बरकरार'' है।

मोदी अपने वादों को पूरा करेगा, सही समय पर सही चीजें होंगी : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह जम्मू कश्मीर के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करेंगे। परोक्ष रूप से उनका यह इशारा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की ओर था।

मोदी यहां कश्मीर को सोनमर्ग से जोड़ने वाली 6.4 किलोमीटर लंबी रणनीतिक सुरंग का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस सुरंग का निर्माण 2,700 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।

इससे पहले अपने संबोधन के दौरान अब्दुल्ला ने पिछले साल सितंबर में विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री द्वारा किए गए वादे के अनुसार जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने पर जोर दिया और कहा, मेरा दिल मानता है कि आप जल्द ही इस वादे को पूरा करेंगे।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का जिक्र किए बगैर कहा, आपको विश्वास करना होगा कि यह मोदी है और वह अपने वादे पूरे करता है। हर चीज के लिए एक सही समय होता है और सही चीजें सही समय पर ही होंगी।

अब्दुल्ला ने मोदी का स्वागत करते हुए पिछले साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दिए गए उनके भाषण का जिक्र किया और कहा, आपने अपने कार्यक्रम में तीन बहुत महत्वपूर्ण बिंदु रखे। आपने 'दिल की दूरी' और 'दिल्ली से दूरी' की बात की और कहा कि आप इन दोनों चीजों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री ने 15 दिनों के भीतर जम्मू-कश्मीर में दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पिछले सप्ताह मोदी ने जम्मू रेलवे मंडल का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया था।

यूरोपीय संघ के साथ करीबी साझेदारी का इच्छुक भारत

मैड्रिड/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत यूरोपीय संघ के साथ घनिष्ठ साझेदारी का इच्छुक है और यह भागीदारी भविष्य में भूमध्यसागरीय क्षेत्र में अधिक दिखाई देगी। वह स्पेन के अपने समकक्ष जोस मैनुअल अल्बेरेस के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे।

जयशंकर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। यह विदेश मंत्री के रूप में उनकी पहली स्पेन यात्रा है और यह स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की भारत यात्रा के लगभग ढाई महीने बाद हुई है।

बैठक के बाद विदेश मंत्री अल्बेरेस के साथ प्रेस से बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत में 230 स्पेनी कंपनियां हैं।

उन्होंने कहा, ''जब हम अपने द्विपक्षीय व्यापार को देखते हैं, तो यह लगभग 10 अरब यूरो का है। रेलवे, डिजिटल और शहरी प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट शहरों, हरित और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में भारी संभावनाएं हैं।''

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि भारत स्पेन के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा, ''हम अपनी सेनाओं के बीच सहयोग को महत्व देते हैं।''

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान देश की 'सच्ची स्वतंत्रता' प्रतिष्ठित हुई : भागवत

इंदौर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए, क्योंकि कई सदियों से परचक्र (दुश्मन का आक्रमण) झेलने वाले भारत की सच्ची स्वतंत्रता इस दिन प्रतिष्ठित हुई थी।

भागवत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय को इंदौर में 'राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार' प्रदान करने के बाद एक समारोह में यह बात कही।

राय को यह पुरस्कार ऐसे वक्त प्रदान किया गया, जब अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर बने मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा को हिंदू पंचांग के मुताबिक 11 जनवरी को एक साल पूरा हुआ है।

संघ प्रमुख ने पुरस्कार समारोह में कहा कि राम मंदिर आंदोलन किसी का विरोध करने के लिए शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन भारत का 'स्व' जागृत करने के लिए शुरू किया गया था, ताकि देश अपने पैरों पर खड़ा होकर दुनिया को रास्ता दिखा सके।

भोजपुरी समाज सेवा समिति के स्थापना दिवस पर नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति द्वारा आस्टिन टाउन स्थित सभागार में संस्था का स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजय सिंह उज्जैन तथा उनकी धर्मपत्नी चंदा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं कोषाध्यक्ष जेबी सिह, महासचिव ललितेश्वरप्रसाद सिंह, सचिव गिरीशचन्द्र पाण्डेय एवं ट्रस्टी सुनीता पांडेय ने संस्थापक अध्यक्ष का सम्मान किया। कार्यक्रम में वर्ष 2024 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रज्ञान पांडेय, गिरीशचन्द्र पाण्डेय एवं सुनीता पांडेय को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले सदस्य कैप्टन रिपू मर्दन, राजेशकुमार सिंह का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थापक अध्यक्ष संजय सिंह उज्जैन ने सभी को नववर्ष, समिति के 14वें स्थापना दिवस तथा मकर संक्रान्ति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमें समाज को जोड़ने का कार्य करना चाहिए तथा सदैव सच बोलना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम के अध्यक्ष पुष्करकुमार एवं पूरी टीम को बधाई दी।इस अवसर पर नई कार्यकारिणी समिति का चुनाव किया गया जिसमें जीतेन्द्रमोहन सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमरेन्द्र ओझा को उपाध्यक्ष, ललितेश्वर प्रसाद सिंह को महासचिव, गिरीशचन्द्र पाण्डेय को सचिव, रिपु मर्दन को सचिव (आई टी) एवं लेखा परीक्षक, जेबी सिंह को कोषाध्यक्ष, राकेश पटेल, मनोरंजन सिंह, एनके सिंह तथा पुष्करकुमार उर्फ मोनू को सह कोषाध्यक्ष, रामाशंकर सिंह को मुख्य संयोजक एवं वरिष्ठ सलाहकार, जेपी सिंह को संयोजक सहित अन्य पदाधिकारी चुने गए। संजयसिंह उज्जैन ने सभी को शपथ दिलाई। महासचिव ललितेश्वरप्रसाद सिंह एवं सचिव गिरीशचन्द्र पाण्डेय ने संचालन किया।

जीवदया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन हेल्पलाइन सोशियल ऑर्गेनाइजेशन अक्षीपेट के सदस्यों ने पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन कबूतर सेवा समिति राजाजीनगर में मूक प्राणियों के लिए ज्वार एवं दवाइयों के लिए राशि भेंट की ।इस अवसर पर हेल्पलाइन के अध्यक्ष नितिन पोरवाल, मंत्री जितेंद्र भंडारी, कैलाश संखलेचा, हस्तीमल सोनीगरा, दिनेश चोपड़ा, राजीव सालेचा, पदमराज लुंकड़, प्रवीण सालेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु जीतो चैप्टर की ओर से आगामी मार्च माह में प्रस्तावित 'जिंदगी के खूबसूरत सपने-संजय घोड़ावत के संग' कार्यक्रम में अध्यक्ष के तौर पर उपस्थित रहने हेतु मैसूरु सांसद यदुवीर श्रीकृष्णदत्त वाडियार को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर जीतो मैसूरु चैप्टर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने सांसद से चैप्टर की जनहित में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी तथा मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने बताया कि स्टार एयरलाइन्स के चेयरमैन संजय घोडावत कार्यक्रम में मुख्य अथिति व वक्ता के रुप में उपस्थित होंगे ।

मेटलाइन किंग्स टीम बनी भीनमाल प्रीमियर लीग 'रांका कप' विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भीनमाल क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित भीनमाल प्रीमियर लीग रांका कप क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले रविवार को खेले गए। पहला सेमीफाइनल वाणीगोता रॉयल्स टीम और मेटलाइन किंग्स टीम के बीच हुआ जिसमें मेटलाइन किंग्स टीम ने जीत हासिल की। दूसरे सेमीफाइनल में अष्टापद वारियर्स टीम और संघवी टाईगर टीम के बीच मुकाबला हुआ जिसमें अष्टापद वारियर टीम विजयी हुई।

प्रतियोगिता का फाइनल मैच मेटलाइन किंग्स और अष्टापद वारियर टीम के बीच हुआ, जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए मेटलाइन किंग्स टीम ने 12ओवर में 6विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अष्टापद वारियर टीम ने 6विकेट खोकर 106 रन ही बना पाई।

इस तरह मेटलाइन किंग्स टीम ने मैच को जीतकर कप पर अपना कब्जा जमा लिया। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब मेटलाइन किंग्स कें श्रीपाल लुंकड़, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब मेटलाइन किंग्स के तनीश रांका के नाम रहा।

प्रतियोगिता में भीनमाल जैन संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल चौहान, सहसचिव राजेश वाणीगोता, कार्यकारिणी सदस्य संजय वर्धन, संजय भंडारी, शोकल भीमोनी, भीनमाल जैन संघ के दिनेश नाहर, विनोद भीमोनी, महेंद्रसेठ, मुकेश दोशी, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल आदि ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

जीवन की सार्थकता के लिए क्रोध, मान, माया और लोभ का त्याग जरुरी : मुनिश्री मोहजीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी, जयेशकुमारजी व भव्यकुमारजी स्वामी ने चिकमगलूर का सफल चातुर्मास संपन्न कर विहार करते हुए बेंगलूरु नगर सीमा में प्रवेश किया। मुनिगण विहार करते हुए केंगेरी उपनगर पहुंचे जहां उन्होंने संयम कुंज में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हमारे जीवन की सार्थकता सिद्ध करनी है, क्रोध, मान, माया, लोभ को कम करना है।

मुनिश्री ने तेरापंथ युवक परिषद को जागरुक एवं दक्षता ओर अग्रसर करते हुए अनेक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। नगर सीमा में प्रवेश के मौके पर तेयुप व अन्य तेरापंथ परिवारों ने मुनिश्री का स्वागत किया। इस अवसर पर तुलसी निकेतन समिति उदयपुर के अध्यक्ष सुरेश दक, राजराजेश्वरीनगर सभा के मंत्री गुलाब बांठिया एवं विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर ने मुनिश्री का स्वागत किया। संभावित 2 फरवरी को विजयनगर अर्हम भवन में तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में मर्यादा महोत्सव में मुनिगण शामिल होंगे। इस अवसर पर तेरापंथ परिषद यशवंतपुर के अध्यक्ष महावीर गन्ना सहित अनेक सदस्य व श्रद्धालु उपस्थित थे।

सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ द्वारा इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ का सात दिवसीय 'इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स' प्रशिक्षण बसवनगुड़ी स्थित ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रशिक्षक हितेश छाजेड़, नेहा चौधरी एवं मुकेश भंडारी ने सभी प्रतिभागियों को बहुत ही बारीकी से अच्छे वक्ता बनने का प्रशिक्षण दिया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं ईपीएस कोर्स की पुस्तक देकर सम्मानित किया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिवांची संघ के अध्यक्ष राजेंद्र छाजेड़ एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में मधु गोलछा उपस्थित थे। सभापति प्रीति चौरडिया ने सभी प्रायोजक परिवारों और मेहमानों का स्वागत किया एवं महिला संघ द्वारा किए हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी।

अध्यक्ष सीमा मेहता ने बताया कि एक अच्छा वक्ता बनकर अपने विचारों को नई दिशा दे सकते हैं और जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यअतिथि राजेंद्र छाजेड़ ने महिला संघ द्वारा किए गए सभी कार्यक्रमों की सराहना करते हुए सभी को आगे बढ़ने का प्रोत्साहन दिया। मधु गोलछा ने बताया कि आज से 11 साल पहले जो सिवांची महिला संघ का जो बीज बोया था वह आज एक वटवृक्ष बन गया है।

हेमा चोपड़ा ने अगले कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। डिंपल ओस्तवाल ने सभी प्रायोजक और मेहमानों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर महावीर कानूंगा, दीपक जैन का इस प्रोग्राम में विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर महिला मंडल की अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

दिल कहता है प्रधानमंत्री बहुत जल्द अपना वादा पूरा करेंगे : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनमर्ग (जम्मू कश्मीर)/ भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिल और दिल्ली के बीच की खाई को पाटने और केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा जल्द ही पूरा करेंगे।

प्रधानमंत्री द्वारा गांदरबल जिले में 6.5 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ सुरंग (जिसे 'सोनमर्ग सुरंग' नाम दिया गया है) का उद्घाटन किए जाने के बाद एक सभा में मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत पिछले साल 20 अक्टूबर को सुरंग स्थल के पास हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सात लोगों को श्रद्धांजलि देकर की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की सुरक्षा के अलावा शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद को परास्त किया जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा, प्रधानमंत्री जी, जब आप

तीसरी बार सत्ता में आने के बाद श्रीनगर में एक कार्यक्रम के लिए आए तो लोगों ने आपकी बातों पर विश्वास करना शुरू कर दिया। आपने तीन महत्वपूर्ण चीजों के बारे में बात की, जिसमें 'दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी' के बीच की खाई को पाटने के आपके प्रयास शामिल हैं, और आपने अपने काम से इसे साबित भी किया है। उन्होंने, यह अलग जम्मू रेलवे मंडल का उद्घाटन (दिल्ली से डिजिटल माध्यम से) करने के बाद 15 दिनों के भीतर जम्मू कश्मीर में आपका दूसरा समारोह है। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा, आपने चार महीने के भीतर (विधानसभा) चुनाव कराने का भी वादा किया था और आप अपनी बातों पर खरे उतरे। लोगों को मतदान में हिस्सा लेने का मौका मिला और आज मैं मुख्यमंत्री के तौर पर इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहा हूं। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर की यात्रा के दौरान मोदी के भाषण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द आप जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया अपना तीसरा वादा पूरा करेंगे, जो केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करना है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति में मुख्यमंत्री द्वारा पूर्ण राज्य के दर्जे संबंधी टिप्पणी का वहां मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।

चार दिन की गिरावट में डूब गए निवेशकों के 24.69 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। शेयर बाजार में चार दिन से जारी तगड़ी बिकवाली के बीच निवेशकों को कुल 24.69 लाख करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को चौथे कारोबारी सत्र में 1,048.90 अंक यानी 1.36% की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स में कुल 1,869.1 अंक यानी 2.39% की गिरावट आ चुकी है।

विचारधारा की कमी के कारण बिखर रहा है 'इंडि' गठबंधन : बावनकुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन बिखर रहा है क्योंकि उसके पास देश के विकास के लिए कोई विचारधारा और नीति नहीं है।

बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन टूट ओर बिखर चुका है तथा महाराष्ट्र में शिवसेना (उबाठा) कांग्रेस के खिलाफ है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, राष्ट्र के विकास के लिए इंडिया गठबंधन के पास कोई नीति नहीं है। वे सत्ता के लिए एक साथ आए थे और अब सत्ता के बिना गठबंधन के सभी नेता बिखर गए हैं। महाराष्ट्र में भी आप देख सकते हैं कि शिवसेना(उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और शरद पवार कांग्रेस के खिलाफ हैं क्योंकि उनके पास कोई विचारधारा नहीं है।

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन की एक विचारधारा और प्रगतिशील दृष्टिकोण है और यह हमेशा एकजुट रहेगा।

बावनकुले ने कहा कि संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति के बारे में अंतिम निर्णय 15-16 जनवरी तक लिया जाएगा और इस संबंध में मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्रियों ने दो से तीन बैठकें बुलाई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना जारी रहेगी और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन, फर्जी लाभार्थियों को भत्ता देना बंद कर दिया जाएगा। सरकार ने पहले घोषणा की थी कि वह लाडकी बहिन योजना के फर्जी लाभार्थियों के बारे में शिकायतों का समाधान करेगी और सत्यापन के लिए आयकर और परिवहन विभाग से जानकारी प्राप्त करेगी।

आप नेता सत्येंद्र जैन की मानहानि याचिका राजनीति से प्रेरितः भाजपा की बांसुरी स्वराज ने अदालत में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येंद्र जैन द्वारा दिल्ली की एक अदालत में उनके विरुद्ध दर्ज करायी गई मानहानि की शिकायत 'राजनीति से प्रेरित' है।

स्वराज के वकील ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल के समक्ष दलील दी कि इस मामले के तथ्य सार्वजनिक हैं और इसे मानहानि के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। वकील ने कहा, इस मामले में समय का बड़ा महत्व है, क्योंकि शिकायतकर्ता चुनाव लड़ रहा है। यह याचिका राजनीति से प्रेरित है और इसे राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए दायर किया गया है।

जैन के वकील ने इन दलीलों का विरोध किया और कहा कि स्वराज के बयान 'तथ्यों के विपरीत हैं। अदालत ने मामले को 22 जनवरी के लिए स्थगित कर दिया।

जैन ने आरोप लगाया कि स्वराज ने पांच अक्टूबर, 2023 को एक समाचार चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिसे लाखों लोगों ने देखा।

उनकी शिकायत के अनुसार, स्वराज ने जैन के घर से 1.8 किलोग्राम सोने और सोने के 133 सिक्कों के अलावा तीन करोड़ रुपए नकद मिलने के 'झूठे दावे' किए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि स्वराज ने उन्हें 'भ्रष्ट और धोखेबाज' बताते हुए अनुचित राजनीतिक लाभ लेने और बदनाम करने के लिए झूठे बयान दिए।

किसान संगठनों ने बैठक के बाद एकजुट होकर लड़ने पर जोर दिया

चंडीगढ़/भाषा। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेताओं ने पंजाब और हरियाणा की सीमाओं पर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे दो किसान संगठनों के साथ सोमवार को बैठक की, ताकि केंद्र पर उनकी मांगों को स्वीकार करने के लिए दबाव बनाया जा सके और एक संयुक्त आंदोलन किया जा सके। किसान नेताओं ने कहा कि लड़ाई जीतने के लिए जनता का समर्थन बहुत जरूरी है।

किसान संगठनों के बीच एकता पर जोर देते हुए तीनों संगठनों के नेताओं ने फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों के लिए एकजुट लड़ाई की रूपरेखा तैयार करने को लेकर 18 जनवरी को एक और बैठक आयोजित करने का फैसला किया। एसकेएम ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020 के आंदोलन का नेतृत्व किया था। बाद में ये कानून निरस्त कर दिए गए।

संयुक्त किसान मोर्चा फिलहाल एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के आंदोलन का हिस्सा नहीं है। पिछले साल 13 फरवरी से खनौरी और शंभू सीमा स्थलों पर किसानों के दिल्ली मार्च को सुरक्षा बलों ने रोक दिया था।

डेढ़ महीने से अधिक समय से भूख हड़ताल कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के ''बिगड़ते'' स्वास्थ्य के मद्देनजर प्रदर्शनकारी किसानों के अनुरोध पर बैठक 15 जनवरी के बजाय 13 जनवरी को की गई। एसकेएम नेता जोगिंदर सिंह उगराहां, बलबीर सिंह राजेवाल, दर्शन पाल, रमिंदर पटियाला और युद्धवीर सिंह ने पटियाला के पतरान में आयोजित दो घंटे की बैठक में भाग लिया।

प्रधानमंत्री 75 साल का होने के करीब, रुपया पहले ही डॉलर के मुकाबले 86 पार हुआः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में गिरावट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह इस साल के उत्तरार्द्ध में 75 साल का होने की तैयारी कर रहे हैं और रुपया पहले ही डॉलर के मुकाबले 86 पार चुका है।

रुपए में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और 57 पैसे टूटकर 86.61 (अस्थायी) प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था, तब वह 64 वर्ष के होने वाले थे और डॉलर के मुक़ाबले रुपया 58.58 पर था। उस समय वह रुपए को मज़बूत करने को लेकर बहुत कुछ बोला करते थे। उन्होंने इसके मूल्य में गिरावट को पूर्व प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) की उम्र से भी जोड़ दिया था। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अब देखिए, मोदी जी इस वर्ष के अंत तक 75 साल का होने की तैयारी ही कर रहे हैं और रुपया पहले ही डॉलर के मुक़ाबले 86 पार चुका है। रमेश ने दावा किया कि जैसे-जैसे रुपया गिरता जा रहा है, मोदी जी अपने ही खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे हैं।

बैठक सोमवार को शाम बेंगलूरु के एक निजी होटल में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, एआईसीसी मीडिया सचिव जयराम रमेश, मंत्री परमेश्वर, केजे जॉर्ज, एचके पाटिल, केएच मुनियप्पा एमबी पाटिल, बोसराज सहित अनेक मंत्री एवं विधायक शामिल हुए।

'आई एम ऑन द हिटलिस्ट' पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या से संबंधित घटनाओं पर आधारित किताब

बेंगलूरु/नई दिल्ली। पत्रकार-लेखक रोलो रोमिग की नयी किताब पत्रकार गौरी लंकेश की दुखद हत्या और भारत में लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पत्रकारिता पर इसके प्रभावों पर प्रकाश डालती है। 'वेस्टलैंड बुक्स' के 'कॉन्टेक्स्ट' प्रकाशन के तहत जारी 'आई एम ऑन द हिटलिस्ट'' में उन घटनाओं का उल्लेख किया गया है, जिसके कारण लंकेश की हत्या हुई।

लंकेश अग्रणी पत्रकार और कन्नड़ टैब्लॉइड 'गौरी लंकेश पत्रिका' की संपादक थीं। पांच सितंबर, 2017 को बेंगलूरु में लंकेश की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अमेरिका में रहने वाले लेखक रोमिग ने एक बयान में कहा, यह पुस्तक उस भारत को श्रद्धांजलि है जिसे मैं प्यार करता हूं, और उन भारतीयों को भी जो इसे उन ताकतों से बचा रहे हैं जो इसे कुछ कठोर, सजातीय और क्रूर बनाना चाहते हैं। यह पुस्तक एक बेहद मजबूत, जीवट वाली गौरी लंकेश की शख्सियत को बयां करती है। रोमिग ने कहा, ''मेरे लिए इस पुस्तक का मुख्य रहस्य यह नहीं है कि गौरी की हत्या किसने की, बल्कि यह है कि किस तरह का जीवन उनका रहा और वह इतने अलग-अलग तरह के लोगों तक पहुंच पाईं।

आईटीआई लि. ने नए क्षेत्रों में रखा कदम, 64 करोड़ रु. के अनुबंध मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आईटीआई लि. के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजेश राय

बेंगलूरु/कोलकाता/मुंबई /दक्षिण भारत। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने सुरक्षा प्रणालियों और शिक्षा/आईसीटी क्षेत्र में कदम रखा है। कंपनी को ओडिशा के संबलपुर विश्वविद्यालय से वाई-फाई और लैन के लिए 35 करोड़ रुपए तथा मध्य रेलवे से एकीकृत सुरक्षा प्रणाली के लिए 29.14 करोड़ रुपए मूल्य, यानी कुल 64 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले हैं।

कंपनी ने बताया कि अनुबंध के तहत विश्वविद्यालय परिसर में 80 स्थानों पर वाई-फाई और लैन स्थापित किए जाएंगे, ताकि पूरे परिसर में निर्बाध इंटरनेट और इंट्रानेट पहुंच प्रदान करने की जरूरत को पूरा किया जा सके। इस प्रोजेक्ट में आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग के साथ तीन वर्ष की रखरखाव अवधि भी शामिल है। आईटीआई लि. को मुंबई डिवीजन के छह रेलवे स्टेशनों पर आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली से युक्त एकीकृत सुरक्षा प्रणाली के लिए मध्य रेलवे (मुंबई) से अनुबंध मिला है। काम के दायरे में मुंबई मंडल के छह रेलवे स्टेशनों यानी मध्य रेलवे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर, कुर्ला, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, ठाणे और कल्याण पर आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली से युक्त एकीकृत सुरक्षा प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग और तीन साल की वारंटी अवधि समाप्त होने के बाद पांच साल के लिए एएमसी शामिल है।

परियोजना को पूरा करने की अवधि लेटर ऑफ अवार्ड की प्राप्ति से 12 महीने है। इस अनुबंध के तहत 1,400 से ज्यादा कैमरे लगाए जाएंगे, जो मध्य रेलवे के यात्रियों के सफर को अधिक सुरक्षित बनाएंगे।

इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हम इन दो अनुबंधों को हासिल कर बहुत खुश हैं। ये हमारे लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनसे दो नए क्षेत्रों में संभावित रूप से आकर्षक रास्ते खुलते हैं। आईटीआई लि. शैक्षिक संस्थानों, रेलवे और किसी भी अन्य ग्राहक को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सेवाओं का पूरा स्पेक्ट्रम देने के लिए हमेशा उत्साहित है। परिसर की वाई-फाई और लैन सेवाएं न केवल छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को बेहतर बनाएंगी, बल्कि परिचालन और प्रशासनिक जरूरतों को भी पूरा करेंगी।'

राय ने कहा, 'हमारी टीम हमेशा की तरह इन अनुबंधों पर काम करने के लिए बहुत उत्साहित और अत्यधिक प्रेरित है। मुझे विश्वास है कि हम इन्हें समय से पहले पूरा कर लेंगे। हमें उम्मीद है कि हमारा काम मध्य रेलवे के यात्रियों के लिए एक सुरक्षित मौजूदगी में मदद करेगा।' हाल में आईटीआई लि. ने खनन डिजिटल परिवर्तन और निगरानी प्रणाली (एमडीटीएसएस) परियोजना के लिए उत्तराखंड सरकार के भूविज्ञान और खनन निदेशालय से लगभग 95 करोड़ रुपए का अनुबंध पाया था।

बेंगलूरु के अमेरिकी वाणिज्य दूतावास का स्थल लोकार्पण समारोह 17 को

बेंगलूरु। बेंगलूरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के लिए स्थल 'लोकार्पण समारोह' 17 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मैं स्थल लोकार्पण समारोह की पुष्टि कर सकता हूं, लेकिन आगामी वाणिज्य दूतावास के स्थान के बारे में अभी कुछ नहीं कह सकता।'' अधिकारी ने यह भी बताया कि अमेरिकी वाणिज्य दूतावास का अस्थायी परिचालन बेंगलूरु के जेडब्ल्यू मैरियट होटल से शुरू हो सकता है, जहां से वर्तमान में यूनाइटेड स्टेट्स कमर्शियल सर्विस का कार्यालय संचालित होता है।

अधिकारी ने उन रिपोर्ट की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि वाणिज्य दूतावास केन्द्रीय व्यापार जिले या पूर्वी बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में स्थापित किया जा सकता है, जहां उद्योग, प्रौद्योगिकी कंपनियां और बिजनेस पार्क' स्थित हैं। कर्नाटक के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने इससे पहले चेन्नई में अमेरिकी महावाणिज्यदूत और अन्य अधिकारियों के साथ अपनी बैठक के दौरान व्हाइटफील्ड में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास कार्यालय स्थापित करने का आग्रह किया था।

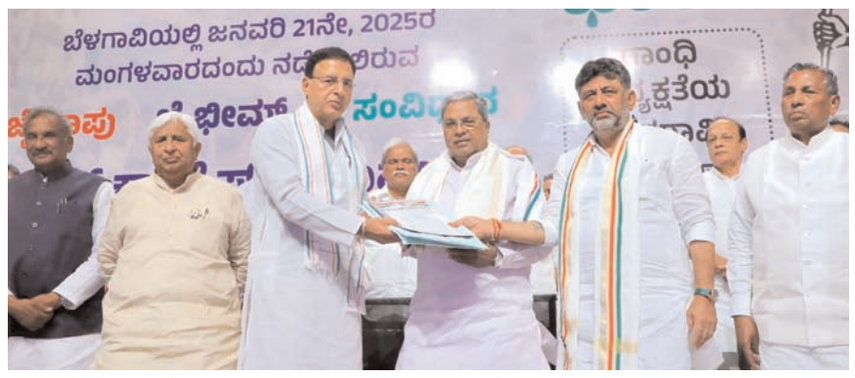

बेंगलूरु में सोमवार को एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, केपीसीसी अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्री एच.के. पाटिल, ईश्वर खंड्रे, के.जे. जॉर्ज, केएच मुनियप्पा, एचसी महादेवप्पा, चालुवरयास्वामी, सतीश जारकीहोली, प्रियांक खरगे, लक्ष्मी हेब्बालकर, शिवराज थंगदागी, शिवानंद पाटिल, संतोष लाड, आरबी थिम्मापुरा, वेंकटेश, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर, वसंत कुमार और अन्य ने भाग लिया।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार एकजुट : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों और सत्तारूढ़ कांग्रेस में गुटबाजी की खबरों को तवज्जो नहीं देने का प्रयास करते हुए पार्टी के प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को कहा कि पार्टी की सरकार एकजुट है। कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने यह आरोप भी लगाया कि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कहानियां गढ़ने में लगी हुई है। भाजपा और जनता दल (एस) के बीच मतभेद का दावा करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के भीतर कथित राजनीतिक सत्ता संघर्ष की बातें मीडिया की उपज हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, समाचार चैनलों का एक चुनिंदा समूह बंटी हुई भाजपा पर सवाल उठाने के बजाय एक एकजुट सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। यह सरकार कर्नाटक के हर परिवार को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लाभ पहुंचा रही है। उसने कुल 58,000 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाया है। उनके मुताबिक, 'कर्नाटक कांग्रेस सरकार की गारंटी' योजना भारत में सबसे बड़ी कल्याणकारी पहल है और स्वाभाविक रूप से भाजपा इससे परेशान है।

सुरजेवाला ने दावा किया कि भाजपा और उसकी गठबंधन सहयोगी जद(एस) एक दूसरे की राजनीतिक हत्या में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, अपने कुकर्मों और विफलताओं को छिपाने की कोशिश में विपक्षी भाजपा, कांग्रेस और उसकी गारंटी को लोगों तक पहुंचाने वालों पर हमला करने के लिए कहानियां गढ़ रही है। वे केवल सिद्दरामय्या, डीके शिवकुमार या कांग्रेस सरकार को निशाना नहीं बना रहे हैं, बल्कि वास्तव में कर्नाटक के लोगों पर हमला कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, हम कांग्रेस की गारंटी और कर्नाटक की जनता के खिलाफ भाजपा और जद(एस) के हर ऐसे दुर्भावनापूर्ण कदम का निर्णायक रूप से मुकाबला करेंगे।

सुरजेवाला की इस टिप्पणी से एक दिन पहले, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा था कि उनकी कुर्सी खाली नहीं है, लेकिन फिर भी पत्रकार ऐसी खबरें दे रहे हैं कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होने वाला है। सिद्दरामय्या ने उन खबरों को अटकलबाजी करार दिया था जिनमें कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार जल्द ही उनकी जगह ले लेंगे।

महाकुंभ मेले में एक करोड़ कप चाय परोसने के लिए चाय पॉइंट और केएमएफ के साथ साझेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) ने सोमवार को कहा कि उसने प्रयागराज में महाकुंभ मेले के लिए चाय कैफे श्रृंखला, चाय पॉइंट के साथ साझेदारी की है। केएमएफ नंदिनी ब्रांड के तहत अपने डेयरी उत्पादों का विपणन करता है।

केएमएफ ने एक बयान में कहा कि इस सहयोग के तहत चाय पॉइंट ने महाकुंभ मेला परिसर में 10 स्टोर स्थापित किए हैं, और ये स्टोर आयोजन के दौरान एक करोड़ कप से अधिक चाय परोसने के लिए तैयार हैं, जिसका लक्ष्य एक ही आयोजन में सबसे अधिक चाय के कप बेचने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना है। बयान में कहा गया है कि महाकुंभ मेले में बनाई जाने वाली प्रत्येक चाय में नंदिनी का 'समृद्ध' और 'उच्च गुणवत्ता वाला' दूध होगा, जो चाय प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव सुनिश्चित करेगा।

महाकुंभ मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा और इसमें विश्वभर से लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। केएमएफ के अनुसार, चाय के अलावा, चाय पॉइंट स्टोर मिठाई और मिल्कशेक सहित नंदिनी के विभिन्न उत्पाद भी पेश करेंगे, जिससे इस भव्य आध्यात्मिक समागम में नंदिनी की उपस्थिति और बढ़ेगी।

बेंगलूरु में सोमवार को केएमएफ के प्रबंध निदेशक शिवस्वामी और चाय प्वाइंट के संस्थापक सीईओ अमूलक सिंह बिजराल हाल ही में केएमएफ कार्यालय में महाकुंभ मेला में चाय पर सहयोग पर चर्चा की।

गायों के थन काटने की क्रूरता की कड़ी निंदा

बेंगलूरु पर्यावरणवादी मंच की ओर से मोमबत्ती जलाकर मौन विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चामराजपेट में बेंगलूरु पर्यावरणवादी फोरम ने गायों के थनों को विकृत करने वाले बदमाशों के खिलाफ होम्बेगौड़ा नगर में गांधी प्रतिमा के सामने मौन मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। मंच के प्रमुख वकील उमेश कुमार ने कहा कि बेंगलूरु में गाय और खरगोशों को मारने की घटना बेहद निंदनीय है। जो भी ऐसा करता है, वह गलत है। दूसरे शहरों और राज्यों से आकर बेंगलूरु में रहने वाले लोग पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

बेंगलूरु के पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है। इससे बेंगलूरु के मूल निवासियों की भावना आहत हुई है उन्हें काफी परेशानी हुई है। ऐसे लोग पर्यावरण को नष्ट कर रहे हैं और दूसरे शहरों में जा रहे हैं, लेकिन वे सवाल उठा रहे हैं कि मूल निवासियों को कैसे रहना चाहिए।

बेंगलूरु में पशु क्रूरता के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह चामराजपेट में हुए घृणित कृत्यों की कड़ी निंदा करते हैं। मंच के सदस्य मुकेश और सोमन्ना ने मांग की कि गायों के थन काटने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा पुलिस विभाग उन्हें कड़ी सजा दे।

मेडिक्लेम प्रतिपूर्ति दुर्घटना मुआवजा राशि से काटी जाए : कर्नाटक उच्च न्यायालय

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम के तहत चिकित्सा व्यय और अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रदान किये जाने वाले मुआवजे में से मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी के माध्यम से प्राप्त राशि काट ली जानी चाहिए। न्यायमूर्ति हंचते संजीवकुमार ने यह फैसला एक बीमा कंपनी को एस. हनुमंथप्पा के परिवार को 4,93,839 रुपये छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ मुआवजा देने का निर्देश देते हुए सुनाया।

बेंगलूरु के मराठाहल्ली निवासी हनुमनथप्पा 10 दिसंबर, 2008 को लेपाक्षी से सेवा मंदिर गांव लौटते समय एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। एक ऑटोरिक्शा ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी, जिससे हनुमंथप्पा और उनकी पत्नी दोनों को गंभीर चोटें आई थीं। घटना के बाद, हिंदूपुर ग्रामीण पुलिस ने इस संबंध में एक मामला दर्ज किया था और हनुमंथप्पा ने बेंगलूरु में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का रुख किया था, जिसने 22 मार्च 2013 को 6,73,839 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। इसमें चिकित्सा व्यय के लिए 5,24,639 रुपये शामिल थे। इस निर्णय को चुनौती देते हुए बीमा कंपनी ने दलील दी कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत की गई 1.8 लाख रुपये की प्रतिपूर्ति को चिकित्सा व्यय श्रेणी के तहत दी गई मुआवजा राशि से काट लिया जाना चाहिए। मनीष गुप्ता मामले में पिछले फैसले का हवाला देते हुए, अदालत ने कटौती को बरकरार रखा और कहा कि मेडिक्लेम के माध्यम से प्राप्त प्रतिपूर्ति राशि को अंतिम मुआवजे की गणना में शामिल किया जाना चाहिए।

कर्नाटक विधान परिषद के सभापति ने सीटी रवि प्रकरण की सीआईडी जांच पर आपत्ति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज एस होरट्टी ने पिछले साल 19 दिसंबर को बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा में परिषद के अंदर भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य सीटी रवि द्वारा मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करने संबंधी प्रकरण की अपराध जांच विभाग (सीआईडी) से जांच कराए जाने पर आपत्ति जताई है। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर को 10 जनवरी को लिखे पत्र में होरट्टी ने रेखांकित किया कि उन्होंने इस प्रकरण पर अपना निर्णय पहले ही दे दिया है जो अंतिम है। पत्र रविवार को मीडिया के साथ साझा किया गया।

परिषद के सभापति ने कहा, बेलगावी में 19 दिसंबर 2024 को सुवर्ण विधान सौध की विधान परिषद में हुई घटना के संबंध में भारत के संविधान, कर्नाटक विधान परिषद की प्रक्रिया के नियम, लोकसभा और राज्यसभा की प्रक्रिया और नियम, कौल और शेकटर की प्रक्रिया और संसदीय आचरण तथा सुभाष कश्यप के बालिमंतोरी प्रक्रियाओं की समीक्षा करने के बाद आसन ने अपनी व्यवस्था पहले ही दे दी है। उन्होंने आगे कहा, एक संवैधानिक पद होने के नाते सभापति संसदीय प्रणाली और प्रक्रिया पर संप्रभु शक्ति रखता है और सत्र के दौरान अनैतिक आचरण या अन्य दुर्व्यवहार के लिए सदन के पास अपने सदस्यों को दंडित करने की शक्ति है।

होरट्टी ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, सभापति के पास अब तक जारी परंपराओं को बनाए रखने और सदन में कार्यवाही को नियंत्रित करने का अधिकार है और उनका निर्णय अंतिम है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि कार्यपालिका, संसदीय पद्धति और प्रक्रिया तथा भारत के संविधान में विधानमंडल और सभापति को दिए गए विशेष अधिकारों का उल्लंघन करते हुए मामले को सीआईडी को सौंपकर संवैधानिक टकराव बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

सभापति ने कहा कि विधायिका और कार्यपालिका के बीच अनावश्यक गतिरोध की स्थिति नहीं होनी चाहिए उन्होंने कहा, आपको यह जानना चाहिए कि विधान परिषद में जो घटना हुई, वह सभापति के अधिकार क्षेत्र में आती है और कार्यपालिका तथा विधायिका को संविधान के ढांचे के भीतर परस्पर सम्मान के साथ अपने-अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यह देखते हुए कि परमेश्वर को संविधान के विभिन्न संस्थानों में काम करने का व्यापक अनुभव है, उन्होंने उन पर विश्वास जताया कि वह संविधान के तहत अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए परमेश्वर ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्हें पत्र नहीं मिला है, हालांकि उन्हें होरट्टी के पत्र के बारे में मीडिया से पता चला। गृह मंत्री ने कहा, ''मैं पहले देखूंगा कि पत्र में क्या है, उसके बाद मैं कानूनी विशेषज्ञों और विधि विभाग से सलाह लूंगा। हम कानून के दायरे में काम करेंगे।'' उन्होंने कहा कि मामले को सीआईडी को सौंप दिया गया है ताकि घटना की सच्चाई का पता लगाया जा सके और भ्रम की स्थिति को दूर किया जा सके। पुलिस ने 19 दिसंबर 2024 को हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप में रवि के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की । उन्हें उच्च न्यायालय के आदेश पर रिहा कर दिया गया जिसमें कहा गया था कि कानून की उचित प्रक्रिया का पालन न करने के कारण उनकी गिरफ्तारी प्रथम दृष्टया अवैध थी।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ विजयपुर की नई समिति गठित

विजयपुरा। 'अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ' ने कई वर्षों से ब्राह्मण समुदाय के संगठन में अपनी भूमिका निभाई है। अखिल भारतीय ब्राह्मण संघ के केंद्रीय सचिव गिरिशा नीलगुंडा ने कहा कि कई गरीब ब्राह्मण आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए मदद और सहयोग करते रहे हैं और करते रहेंगे। 12 जनवरी को विजयपुर शहर के दिवातागेरी गली स्थित राघवेंद्र स्वामी मठ में आयोजित नए पदाधिकारियों के नियुक्ति समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा, 'आइए हम सभी संगठन को मजबूत करें और ब्राह्मण समुदाय की बेहतरी के लिए प्रयास करें।' अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र अलागुर ने कहा, 'हमारे संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से, ब्राह्मणों ने संगठन के साथ-साथ कई गरीबों की मदद की है। उन्होंने कहा कि भार्गव पुरस्कार के माध्यम से समुदाय के उपलब्धि हासिल करने वालों को पहचान मिली है और आइए हम भविष्य में और अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन को मजबूत करें। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के विजयपुर जिला अध्यक्ष मुकुंद कुलकर्णी ने कहा कि 'ब्राह्मणों को समय के अनुसार संगठित होना चाहिए।' इस मौके पर नये पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिये गये। कार्यक्रम में अनेक पदाधिकारियों ने शपथ ली।

राज्य सरकार सहकारिता के क्षेत्र में प्रतिबद्धता के साथ कर रही कार्य : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता के क्षेत्र में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में किसानों को सम्मान देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अपने पहले ही बजट में किसान सम्मान निधि देने का वादा किया था। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 65 लाख से अधिक कृषकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 653.40 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए है। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री दक एवं राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत की अध्यक्षता में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2025 के तहत सोमवार को सहकार भारती जोधपुर महानगर की ओर से बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियाँ (पैक्स)और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दक ने कहा कि देश का समग्र आर्थिक विकास सहकारिता के माध्यम से ही सम्भव है। इस दिशा में प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय पैक्स के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करने का केंद्र सरकार का यह निर्णय एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

सहकारिता मंत्री दक ने कहा कि सहकारिता आंदोलन जन-जागरण और सामाजिक परिवर्तन का पवित्र और उत्तम साधन बना रहे, यही इसकी मूल भावना है। सहकार भारती सहकार जगत की अखिल भारतीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में कार्यरत है। यह समर्पित, ध्येयनिष्ठ, ईमानदार, संस्कारयुक्त, सेवाभावी कार्यकर्त्ताओं का संगठन है। उन्होंने कहा कि सहकार भारती एक अर्थ में केवल संस्था ही नहीं वरन समाज परिवर्तन की दिशा में प्रयत्नशील एक खुला मंच है।

राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बना कर उन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास की धुरी के रूप में सक्षम बनाने हेतु लिए गए नीतिगत निर्णयों तथा सहकारिता क्षेत्र में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे अन्य नवाचारों की जानकारी दी। साथ ही, सहकार भारती द्वारा पैक्स के संवर्धन, विकास और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने उत्सव में केंद्रीय पंडाल का अवलोकन किया। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शित उत्पादों व मॉडल्स इत्यादि की जानकारी लेकर लोगों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर विधायक सूरसागर देवेंद्र जोशी, पश्चिमी राजस्थान में कार्यरत पैक्स के पदाधिकारियों और सदस्यों, सहकारिता क्षेत्र में रुचि रखने वाले सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान को पर्यटन में नम्बर वन बनाने के लिए पर्यटकों को मिले यूनिक अनुभव : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है दूर-दराज के निर्जन क्षेत्रों को भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी क्षमता का अनुकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटक स्थलों पर ट्रेफिक की समस्या के समधान सहित राजस्थान को पर्यटन में नंबर एक बनाने लिए बेहतरीन सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों को यूनिक और अद्भुत अनुभव दिलाने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने कहा कि हम विश्व स्तरीय सेवाओं और सुविधाओं से ही राजस्थान को पर्यटन में अग्रणी बना सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में सोमवार को जयपुर स्थित होटल द ललित में पर्यटन विभाग, फिक्की और द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन विकास के लिए प्रधानमंत्री विशेष रूचि रखते हैं। इसी के अनुकरण में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड और ड्राइवर्स तथा पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को बेहतर प्रशिक्षण से उनकी क्षमता संवर्धन के लिए राइजिंग राजस्थान प्री समिट (पर्यटन) में मंच से ही निर्देश दिए थे। जिस पर डॉ. ज्योत्सना सूरी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की और सीएमडी, द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप ने ऐसा करने की सहमति दी थी। जिसकी अनुपालना में यह क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्होंने इस हेतु मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को पर्यटन में नम्बर एक बनाने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों को यूनिक और अद्भुत अनुभव मिले इसके लिए हम सब को राजस्थान पर्यटन की एक टीम रूप में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए ट्रैफिक की समस्या के समाधान सहित स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाओं के विकास किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में इन्हीं विषयों पर चर्चा कर सुझाव दिए जाएंगे। साथ ही सभी सहभागियों से सुझाव आमंत्रित हैं। जिसके आधार पर एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर हम सभी राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र का सिरमौर बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं जो कि राजस्थान के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण हैं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड, ड्राइवर तथा पर्यटकों के संपर्क में आने वाले प्रत्येक इंडिविजुअल का आह्वान किया कि वे सब अपने स्तर पर राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा दें।पर्यटकों से चर्चा करें उन्हें यहां की पर्यटन विशेषताओं के बारे में सही जानकारी दें। दीया कुमारी ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड सभी का इस बात के लिए भी आह्वान किया कि वे राजस्थान में आने वाले पर्यटकों से आग्रह करें कि वे राजस्थान में जिस भी पर्यटक स्थल पर जाएं वहां पर्यटन विशेषताओं का खूब आनंद लें और वहां जो कुछ भी देखें उनका फोटो और वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर करें। इससे राजस्थान के पर्यटन क्षेत्रों के प्रति वैश्विक स्तर पर उत्सुकता बढ़ेगी। उन्होंने जयपुर में आयोजित होने वाले ट्रेवल मार्ट्स को राजस्थान के अन्य शहरों में भी आयोजित किए जाने का भी सुझाव दिया जिससे कि अन्य शहरों में भी पर्यटन विकास के नए अवसर पैदा हों सके। इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए शासन सचिव पर्यटन रवि जैन ने कहा कि हमें राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र में वैल्यू एडिशन्स करने होंगे। शासन सचिव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के दिशा-निर्देशन में प्रदेश में नए पर्यटन स्थलों को विकसित किया जा रहा है साथ ही राजस्थान पर्यटन के प्रमोशन के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला निश्चित रूप से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए लाभकारी साबित होगी।

इस अवसर पर फिक्की की पूर्व अध्यक्ष ज्योत्सना सूरी ने अपने स्वागत उद्बोधन में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का कार्यशाला में शिरकत करने हेतु आभार जताया।इसके साथ उन्होंने कार्यशाला में सहभागियों से कहा कि हमें आज इस कार्यशाला के महत्व को समझकर उसे धरातल पर लागू करना होगा। हमें पर्यटकों की अपेक्षाओं को समझकर उसके अनुसार पर्यटन का आधुनिक और सम्पूर्ण सुविधा सम्पन्न वातावरण तैयार करना होगा। आज इस कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण विषयों जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) नेटवर्क का लाभ उठाया जा सके, यह सारी जानकारी हमें इस कार्यशाला से मिलेगी। गौरतलब है कि इस कार्यशाला के तहत फूड सेफ्टी और फर्स्ट ऐड जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्तर आयोजित किए गए। फिक्की उत्तरप्रदेश कमेटी के चेयरमैन प्रतीक हीरा ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान हमेशा से विदेशी सैलानियों की पहली पसंद रहा है।

कई इलाकों में घने कोहरे के बीच कड़ाके की सर्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में सोमवार की सुबह की शुरुआत घने कोहरे के बीच हुई और कड़ाके की सर्दी का कहर भी जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, बीते चौबीस घंटे में कई जगह बूंदाबांदी हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटे में पूर्वी राजस्थान में कई जगह हल्की बूंदाबांदी हुई। पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। सर्द हवाओं के चलते इस दौरान कई जगह शीत दिन व अति शीत दिन दर्ज किया गया।

इस दौरान निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा भीलवाड़ा में 5.6 डिग्री, जालोर व जैसलमेर में 6.6 डिग्री, संगरिया में 6.9 डिग्री तथा लूणकरणसर में न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अभी मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

'भामाशाहों का सहयोग बनेगा आधार, स्वस्थ बचपन का सपना होगा साकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए लाडेसर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत स्वस्थ बचपन के सपने को साकार करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न दिशा में प्रयास किये जाएंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि अभियान के तहत आगामी तीन माह तक प्रतिमाह जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों में से चिन्हित 5300 कुपोषित एवं 883 अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु भामाशाहों के सहयोग से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में लाडेसर किट का वितरण करवाया जाएगा। अभियान के तहत कम एवं अति कम वजन वाले बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर निगरानी रखी जाएगी। जिला कलक्टर ने लाडेसर अभियान में अपनी बहुमूल्य भागीदारी निभाने वाले सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया है।

लाडेसर किट की सामग्री में प्राकृतिक रूप से प्रोटीन, कार्बोहाड्रेट, विटामिन्स, वसा, आयरन एवं अन्य पोषक तत्व शामिल किये गए हैं। पोषण किट की एक माह की खुराक के तहत लाडेसर खिचड़ी के लिए 250 ग्राम चनादाल, 250 ग्राम मोठ दाल एवं 1 किलोग्राम चावल तथा लाडेसर नाश्ते के लिए 250 ग्राम गुड़, 250 ग्राम मूंगफली एवं 500 ग्राम भूने हुए चने प्रदान किये जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि लाडेसर किट आगामी तीन माह तक प्रति माह प्रत्येक पात्र लाभार्थी को वितरण की जायेगी, जिसकी मॉनिटरिंग जिला प्रशासन एवं उपनिदेशक स्तर से अधीनस्थ बाल विकास परियोजना अधिकारी के माध्यम से प्रति सप्ताह की जायेगी।

लाडेसर किट के उपयोग की सुनिश्चितता हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के माता-पिता से समझाइश की जाएगी एवं नियमित रूप से बच्चों की प्रति दस दिवस में वजन, ऊंचाई एवं लंबाई दर्ज की जाएगी।

मिट्टी कामगारों को मिलेंगे विद्युत चालित चाक : टाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को पूरा करने में श्रीयादे माटी कला बोर्ड पूरा शिद्दत से जुटा है। बजट घोषणा वर्ष 2024-2025 में प्रदेश भर के 1000 मिटी कामगारों को विद्युत चालित चाक व पगमिल (मिट्टी गूंथने की मशीन) आवंटन के लिए बोर्ड ने सोमवार को प्रदेश के आठ और जिलों के 160 मिट्टी कामगारों का लॉटरी के माध्यम से चयन किया। उधोग भवन के सभागार में बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने सवाईमाधोपुर, भरतपुर, धौलपुर, दौसा, टोंक, बूंदी, कोटा व बारां जिलों से आए जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इन जिलों की लॉटरी निकाली। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में 20-20 लोगों का चयन किया गया है।

टाक ने बताया कि चयनित कामगारों को 10 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाक ने बताया कि पहले फेज में प्रदेश के 25 जिलों के 500 मिट्टी कामगारों का लॉटरी से चयन कर उन्हें प्रशिक्षण उपरांत विद्युत चालित चाक व पगमिल का वितरण किया जाएगा। अब तक कुल 9 जिलों के 180 मिट्टी कामगारों का चयन कर लिया गया है। शेष 16 जिलों के 320 मिट्टी कामगारों का चयन भी 20 जनवरी से पूर्व कर लिया जाएगा।

टाक ने बताया कि 31 जनवरी-2025 से पहले समस्त 500 मिट्टी कामगारों को प्रशिक्षित करके उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करते हुए स्वावलंबी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के समस्त जिलों से कुल 13 हजार लोगों ने आवेदन किया है। बजट वर्ष 2024-2025 में राज्य सरकार ने 1000 मिट्टी कामगारों का लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है) जिसे चालू वितीय वर्ष में पूरा कर दिया जाएगा।

जयपुर सहित 14 जिलों में शीतलहर के कारण स्कूलों में छुट्टियां बढ़ी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर सहित 14 जिलों में शीतलहर के कारण स्कूलों में छुट्टियों की अवधि बढ़ा दी गई है। छुट्टियां 1 से 4 दिन तक बढ़ाई गई हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने जिला कलेक्टरों को स्कूलों का समय बदलने और छुट्टियां घोषित करने का अधिकार सौंपा है। इस आदेश के बाद, जयपुर, सीकर, कोटा, टोंक और जैसलमेर के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 जनवरी को छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, ब्यावर, पाली, जालोर, भरतपुर, डीग और खैरथल-तिजारा जिलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 और 14 जनवरी को छुट्टी होगी। सवाई माधोपुर जिले के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 से 16 जनवरी तक छुट्टियां घोषित की गई हैं। अजमेर कलेक्टर ने देर शाम आदेश जारी करते हुए प्री-प्राइमरी से 5वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए 13-14 जनवरी का अवकाश घोषित किया है। कक्षा 6 से 12वीं तक की कक्षाएं नियमित रूप से चलेंगी। नागौर में भी 13 जनवरी को कक्षा 1 से 5वीं तक के बच्चों के लिए छुट्टी की घोषणा की गई है, जबकि 14 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश पहले ही घोषित किया जा चुका है।

रींगस में लूट की बड़ी वारदात, नकली पुलिसकर्मी बनकर बस में सवार युवक से लूटे 25 लाख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। सीकर जिले के रींगस थाना क्षेत्र में सरगोठ गांव के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 9 नकली पुलिसकर्मियों ने फिल्मी स्टाइल में एक रोडवेज बस को रोककर 25 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। आरोपियों ने अल्ताफ खान से यह रकम छीनी। अल्ताफ मेहनसर गांव में दिनेश के भाई रणजीत ढाका को पैसे देने जा रहा था।

अल्ताफ खान चौमू पुलिया से रोडवेज बस में सवार होकर मेहनसर के लिए निकला था। सरगोठ गांव के पास दो वाहनों में सवार 9 लोग बस को रोककर चढ़ गए। इन बदमाशों ने पुलिसकर्मी बनकर बस ड्राइवर और परिचालक को बताया कि अल्ताफ एक लड़की को भगाने के मामले में फरार है और उसे थाने ले जाना है। इसके बाद उन्होंने अल्ताफ को बस से उतारकर रिवॉल्वर दिखाते हुए अपनी गाड़ी में बिठा लिया। बदमाश अल्ताफ को खाटूश्यामजी की तरफ ले गए और वहां से कुछ दूर सूनसान स्थान पर रिवॉल्वर दिखाकर उसका बैग छीन लिया। बैग में 25 लाख रुपये के साथ-साथ उसका मोबाइल फोन, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य दस्तावेज भी थे। लूटपाट के बाद बदमाशों ने अल्ताफ को सुनसान स्थान पर छोड़ दिया और फरार हो गए। घटना के बाद अल्ताफ ने किसी से मोबाइल फोन लेकर पुलिस को सूचित किया। रींगस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति हत्या

अलवर। राजस्थान में अलवर के थानागाजी थाना अंतर्गत गत नौ जनवरी को मिले एक व्यक्ति के शव का पदार्फाश करते हुये मृतक की पत्नी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि नौ जनवरी को नदी किनारे सुबह सात बजे एक अज्ञात व्यक्ति का गर्दन कटा शव मिला था। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया। दो दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरे को खंगाले गये पुलिस ने एक्सपर्ट टीम का सहारा लिया गया। इसके बाद मृतक की शिनाख्त रामपाल मीणा निवासी महुआ कला थाना मालाखेड़ा के रूप में हुई।

किसानों पर लाठीचार्ज को लेकर बोले बेनीवाल- अन्याय करने वालों की नाक रगड़वाकर दिलाएंगे हक का पैसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। सरासनी गांव में निजी सीमेंट कंपनी के विरोध में पिछले 137 दिनों से धरने पर बैठे किसानों पर बीते बुधवार को पुलिस ने बर्बरता से लाठीचार्ज किया। घटना के बाद घायल किसानों को नागौर के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन ने किसानों और कंपनी के बीच दो महीने के भीतर समझौता कराने का दावा किया है।

गौरतलब है कि जिले के जायल तहसील के सरासनी गांव के किसान निजी सीमेंट कंपनी के खिलाफ उचित मुआवजे और समान व्यवहार की मांग को लेकर आंदोलनरत थे। किसानों का आरोप है कि कंपनी सभी किसानों को समान मुआवजा नहीं दे रही है। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की घटना के बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने घायल किसानों से मुलाकात की। बेनीवाल ने घटना की अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों से तुलना करते हुए कहा, जिसने भी किसानों पर यह अन्याय किया, उसे माफी नहीं मिलेगी। मेरी पार्टी रहे या नहीं, जिसने भी किसान भाइयों के साथ ऐसा बर्बरतापूर्वक व्यवहार किया है, उसे नाक भी रगड़वाऊंगा और उनके हक के रुपए भी दिलवाऊंगा। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि किसानों के साथ अन्याय के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा। दो दिन पहले खींवसर के पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल ने भी घायलों से मुलाकात कर आंदोलन को जारी रखने का आह्वान किया था। उन्होंने जिला प्रशासन और निजी कंपनी पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया था। नारायण बेनीवाल ने नागौर के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्रसिंह खींवसर पर निशाना साधते हुए कहा कि अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने मांग की कि अस्पताल की स्थिति तुरंत सुधारी जाए। घटनास्थल का दौरा करने के बाद कांग्रेस नेता मनीष मिर्धा ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे नागौर पुलिस का सबसे खौफनाक चेहरा बताया। उन्होंने कहा कि किसानों की जायज मांगों को लेकर इस तरह की बर्बरता अस्वीकार्य है।

पुलिस ने न केवल किसानों पर लाठियां चलाईं, बल्कि उनके खेतों में आगजनी भी की।

जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के गहरे संबंध पर बल देते हुए कहा कि तीनों में एक समान विश्वास प्रणाली है, जो आध्यात्मिक विकास के लिए स्वस्थ शरीर के महत्व पर केंद्रित है।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के 'गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज)' की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान दे रहे थे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय मनीषा मानती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है।

उन्होंने कहा कि धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं तथा धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के सिद्धांत आध्यात्मिक उन्नति के लिए अनुशासित और स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए

आयुर्वेद, योग और नाथपंथ, तीनों नियम-संयम पर जोर देते हैं। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं, वहीं योग में भी हठयोग, राजयोग, ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं तथ तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां, तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं और वह मार्ग है नियम-संयम।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, नियम-संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंतःकरण की शुद्धि नियम-संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है।

उन्होंने कहा कि योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। उन्होंने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है।

दुख है कि किसी ने भी राज्यसभा सदन में मिली नकदी पर दावा नहीं किया: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को इस बात पर अफसोस जताया कि पिछले महीने राज्यसभा सदन में मिली नोटों की गड्डी पर दावा करने के लिए कोई भी संसद सदस्य आगे नहीं आया। उन्होंने कहा कि यह ''हमारे नैतिक मानदंडों के लिए एक सामूहिक चुनौती है।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान छह दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित सीट से 500 रुपए के नोटों की गड्डी बरामद होने से उच्च सदन में काफी हंगामा हुआ था। विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए थे तथा मनु सिंघवी ने इस ''सुरक्षा चूक'' की जांच की मांग की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा था कि सांसदों की अनुपस्थिति में सीटों पर कुछ भी रखने से रोकने के लिए कांच के घेरे बनाए जाने चाहिए। धनखड़ ने यहां एक पुस्तक के विमोचन पर कहा, मेरी पीड़ा की कल्पना कीजिए। लगभग एक महीने पहले ही, हमें राज्यसभा की एक सीट से 500 रुपए के नोटों की गड्डी मिली थी। मुझे वास्तव में इस बात से दुख हुआ कि कोई भी इसे लेने नहीं आया। उन्होंने इसे ''बहुत गंभीर मुद्दा'' बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा, जरूरत के कारण आप नोट साथ रख सकते हैं, लेकिन फिर भी किसी ने इस पर दावा नहीं किया। यह हमारे नैतिक मानकों के लिए एक सामूहिक चुनौती है।

मुलायम सिंह शिविर सपा से जुड़े लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ के सेक्टर-16 में संगम लोअर मार्ग पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मुलायम सिंह यादव की याद में स्थापित शिविर समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सपा नेता और समर्थक शिविर में पहुंचकर मुलायम को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के नाम से शिविर लगाने वाले सपा नेता संदीप यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अखबारों में इस शिविर के बारे में पढ़कर बड़ी संख्या में लोग यहां आ रहे हैं। यादव ने दावा किया कि पिछले दो दिनों में पांच से सात हजार लोग इस शिविर में आकर मुलायम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर चुके हैं। शिविर में प्रवेश करते ही एक बड़ा-सा होर्डिंग दिखता है, जिस पर मुलायम के गंगा स्नान और पूजा-अर्चना करने की तस्वीर छपी हुई है। वर्ष 2022 में इलाहाबाद उत्तर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके संदीप यादव ने बताया कि पार्टी से जुड़े एक सदस्य ने मुलायम की याद में बनाए गए शिविर के लिए स्विस कॉटेज दान किया, जिसमें कुछ श्रद्धालुओं को ठहरने की सुविधा भी दी जा रही है और उनके लिए सुबह से ही पूड़ी-सब्जी का भंडारा लगाया जा रहा है। शिविर में मुलायम को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अलीगढ़ के पूर्व सपा जिलाध्यक्ष गिरीश यादव ने कहा, अलीगढ़ से मेरे साथ छह महिलाओं समेत कुल 25 लोग संगम में डुबकी लगाने के लिए आए हैं।

'विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनमर्ग/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है क्योंकि अर्थव्यवस्था अच्छे परिवहन और संचार सुविधाओं पर निर्भर करती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, प्रधानमंत्री ने हमें विकसित और समृद्ध भारत का मिशन दिया है। अगर हमें विकसित भारत हासिल करना है, तो हमें देश के बुनियादी ढांचे में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा, जब तक पानी, बिजली, परिवहन और संचार का विकास नहीं होगा, उद्योग, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

गडकरी ने कहा, हमें इस बुनियादी ढांचे को विकसित करने का काम सौंपा गया है। अच्छी सड़कें देश को विकसित और समृद्ध बनाती हैं। हम जम्मू-कश्मीर को विकसित और समृद्ध बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं ताकि यहां उद्योग स्थापित हों, पर्यटन बढ़े, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों, और गरीबी खत्म हो। हम इस सोच के साथ जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं। गडकरी ने कहा कि सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन ऐतिहासिक है और यह पर्यटक रिजॉर्ट शहर को हर मौसम में संपर्क सुविधा प्रदान करेगी। पहले, इसे जेड-मोड़ सुरंग के नाम से जाना जाता था। उन्होंने कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री ने सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया। इस सड़क के बंद होने (भारी बर्फबारी के कारण) के कारण, कुछ क्षेत्र हर साल पांच से छह महीने तक बंद रहते थे।

ऐतिहासिक क्षण है ओडिशा का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना से जुड़ना : जेपी नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि ओडिशा का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है। ओडिशा ने केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना से जुड़ने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस तरह यह ऐसा करने वाला 34वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया।

राज्य में योजना को लागू करने के लिए सोमवार को नड्डा की उपस्थिति में यहां विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह उल्लेख करते हुए कि भारत की 45 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य कवरेज योजना के अंतर्गत आती है, नड्डा ने कहा कि 2018 के बाद से एबी पीएम-जेएवाई के तहत 8 करोड़ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं। मंत्री ने कहा कि योजना से सहायता प्राप्त स्वास्थ्य सुविधाओं तक बेहतर पहुंच के कारण देश के दूर-दराज इलाकों में अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा कि जन-केंद्रित योजनाओं को चुनते समय राज्यों को राजनीतिक अहंकार को आड़े नहीं आने देना चाहिए।

निर्वाचन आयोग ने वैश्विक स्तर पर अर्जित की प्रशंसा: उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वैश्विक स्तर पर प्रशंसा अर्जित करने वाले चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की सोमवार को सराहना करते हुए कहा कि सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए इसकी आलोचना करने की गुंजाइश हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया गया क्योंकि नौकरशाही काफी प्रशिक्षित है और चुनाव प्रणाली सक्रिय और ऊर्जावान है।

उनकी टिप्पणी मतदाता सूची में कथित विसंगतियों, मतदाताओं के मतदान डेटा में हेराफेरी के आरोपों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की प्रभावकारिता को लेकर निर्वाचन आयोग पर किए जा रहे विपक्ष के हमलों की पृष्ठभूमि में आई है। यहां एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, हमारे पास एक निर्वाचन आयोग है जिसने काम किया है। और इसने इस तरह से काम किया है कि इसे वैश्विक मान्यता मिल रही है। दुनिया के कई देश चाहते हैं कि उनके चुनावों की निगरानी हमारे चुनाव आयोग द्वारा की जाए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि निर्वाचन आयोग का सर्वोत्तम प्राप्त करने के लिहाज से इसकी आलोचना करने की ललक हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने कहा, लेकिन हम सभी निश्चिंत हैं क्योंकि हमारी नौकरशाही बहुत प्रशिक्षित है। हमारी चुनाव मशीनरी बहुत अधिक सक्रिय और ऊर्जावान है।

त्रिपुरा में 2015 से अबतक एड्स के कारण 512 लोगों की जान गई: साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को कहा कि राज्य में 2015-16 से 2023-24 तक एड्स संबंधी जटिलताओं के कारण कुल 512 लोगों की मौत हुई।

माकपा के सांसदों-- निर्मल विश्वास और नयन सरकार के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 2021 तक 7,707 एचआईवी मरीज, 2022 तक 8,943 और 2023 तक 10,126 मरीज दर्ज किए गए हैं। साहा के पास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का प्रभार भी है। राज्य में 2021-22 में एड्स से संबंधित जटिलताओं के कारण सबसे अधिक 74 मौतें हुईं। उनके अनुसार 2023-24 में मृत्यु के सबसे कम 52 मामले थे। एचआईवी मरीजों के उपचार और एड्स मामलों के खिलाफ लड़ाई पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (टीएसएसीएस) ने कुमारघाट, कैलाशहर, दमचेरा, अंबासा, जिरानिया और जम्पुई में 'ओपिओइड प्रतिस्थापन थेरेपी (ओएसटी)' खोली है।

ओडिशा सरकार ने आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों के लिए 20,000 रु. मासिक पेंशन की घोषणा की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों के लिए 20,000 रुपए की मासिक पेंशन और अन्य लाभ की सोमवार को घोषणा की।

दो जनवरी को, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, भारत रक्षा नियम या भारत की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा नियमों के तहत आपातकाल के दौरान गिरफ्तार किए गए और जेल गए लोगों के लिए मासिक पेंशन का प्रावधान घोषित किया। राज्य के गृह विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया है कि पेंशन के साथ-साथ राज्य सरकार आपातकाल के दौरान जेल गए सभी लोगों के चिकित्सा खर्च का वहन करेगी। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी 2025 तक जीवित सभी लोगों को पेंशन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

केजरीवाल ने भाजपा पर आरक्षण के मुद्दे पर दिल्ली के जाटों को धोखा देने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा पर आरक्षण के मुद्दे पर दिल्ली के जाटों को 'धोखा' देने का आरोप लगाया और पार्टी से पूछा कि उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए केंद्र की सूची में कब शामिल किया जाएगा।

पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल ने अपने आवास पर जाट नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ विधानसभा क्षेत्रों, खासकर बाहरी दिल्ली के इलाकों में इस समुदाय के मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के जाट दिल्ली की ओबीसी सूची में शामिल हैं, लेकिन केंद्र की सूची में नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, राजस्थान के जाटों को दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में प्रवेश मिल सकता है, एम्स, सफदरजंग अस्पताल और सभी केंद्र सरकार के संस्थानों में नौकरियां मिल सकती हैं, लेकिन दिल्ली के जाटों को नहीं। उन्होंने कहा कि देश के शीर्ष दो नेताओं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के जाट समुदाय से वादा किया था कि उन्हें केंद्रीय स्तर पर ओबीसी आरक्षण दिया जाएगा, लेकिन वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। केजरीवाल ने सवाल किया, मैं मोदी, शाह और अन्य भाजपा नेताओं से पूछना चाहता हूं कि वे दिल्ली के जाटों को केंद्र की ओबीसी सूची में कब शामिल करेंगे?''

यूजीसी के नियुक्ति नियमों के बारे में झूठ फैला रही है कांग्रेस: प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए उस पर यूजीसी द्वारा जारी भर्ती मानदंडों के मसौदे के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्यपालों द्वारा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति की प्रथा आजादी के पहले से ही चली आ रही है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पिछले सप्ताह मसौदा नियम जारी किए, जिसमें सहायक प्रोफेसर और कुलपतियों की भर्ती में बड़े बदलाव का प्रस्ताव है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया था कि यूजीसी मसौदा विनियम, 2025, राज्य के राज्यपालों को कुलपति नियुक्तियों पर व्यापक नियंत्रण देता है और गैर-शैक्षणिक लोगों को इन पदों पर रहने की अनुमति देता है। उन्होंने इसे संघवाद और राज्य के अधिकारों पर सीधा हमला करार दिया। मसौदा नियमों के अनुसार, उद्योग विशेषज्ञों के साथ-साथ लोक प्रशासन, सार्वजनिक नीति और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ पेशेवर जल्द ही कुलपति के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र हो सकते हैं। मसौदा मानदंडों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए कुलाधिपति या विजिटर्स को तीन सदस्यीय खोज-सह-चयन समिति गठित करने का अधिकार भी दिया गया है।

ओडिशा : जंगल, बाघों का रक्षक हाथी 'महेंद्र' की मौत

बारीपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले के सिमिलीपाल बाघ अभयारण्य (एसटीआर) में जंगल और बाघों की रक्षा में लगे 66 वर्षीय हाथी की इलाज के दौरान मौत हो गई। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। रविवार रात करीब 10.30 बजे चहला कैंप में 'महेंद्र' नामक हाथी की मौत हो गई। एसटीआर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश चंद गोगिनेनी ने बताया कि हाथी ने रविवार सुबह से खाना-पीना बंद कर दिया था और उम्र से संबंधित कमजोरी के कारण उसकी मौत हो गई। गोगिनेनी ने बताया, महेंद्र का इलाज पशु चिकित्सक अभिलाष आचार्य कर रहे थे। पोस्टमार्टम किया जाएगा। 'महेंद्र' प्रशिक्षित हाथी था जिसे दिसंबर 2001 में कर्नाटक के राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान से दो हथिनी 'भवानी' और 'शोभा' के साथ सिमिलीपाल लाया गया था। 2012 में सिमिलीपाल में तैनाती के दौरान हाथी को माओवादी हमले में गोली लग गई थी। जंगल में शिकारियों के तीर से भी हाथी को चोट लगी थी। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि हाथी ठीक हो गया और फिर से काम पर लग गया। 'महेंद्र' को बाघिन 'सुंदरी' की सुरक्षा के लिए भी तैनात किया गया था। इसे 2019 में मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य से अंगुल जिले के सतकोसिया वन्यजीव अभयारण्य में लाया गया था। बाद में इस बाघ को वापस सिमिलीपाल में स्थानांतरित कर दिया गया। वन अधिकारियों और स्थानीय समुदायों ने सोमवार को महेंद्र की मौत पर शोक जताया और हाथी को सच्चा 'हीरो' बताया, क्योंकि वह सिमिलीपाल में वन्यजीवों का रक्षक था।

विराट और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने दीजिये: कपिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में लचर प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं लेकिन भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने कहा कि ये दोनों इतने बड़े खिलाड़ी हैं कि अपने भविष्य को लेकर फैसला खुद कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली नौ पारियों में एक शतक के साथ 190 रन ही बना सके और बार बार ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कैच देकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा के आंकड़े यहां और खराब रहे और वह तीन मैचों की पांच पारियों में महज 31 रन ही बना सके। वह खराब फॉर्म के कारण पांचवें टेस्ट मैच से बाहर थे। भारतीय टीम को अपना अगला टेस्ट इस साल जून में इंग्लैंड दौरे पर खेलना है लेकिन भारतीय क्रिकेट जगत में 'सुपरस्टार' संस्कृति को पीछे छोड़ने की बात उठ रही है।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी कपिल देव से जब इन खिलाड़ियों के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, विराट और रोहित बहुत बड़े खिलाड़ी है और खेल में अपने भविष्य का फैसला उन्हें खुद करने दीजिये। रोहित की जगह टीम में कप्तान के दावेदारों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस में किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए, जो मौजूदा कप्तान है वह भी किसी की जगह आए थे। जो भी कप्तान हो उसे पूरा समय मिलना चाहिए। भारतीय टीम को इस दौरे पर बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों ने भी निराश किया। जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावित करने में विफल रहा। बुमराह भी पांचवें टेस्ट में चोटिल होने के कारण दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके जिससे ऑस्ट्रेलिया के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना काफी आसान हो गया। बुमराह ने इस दौरे पर लगभग 150 ओवर गेंदबाजी कर 32 विकेट झटके।

कपिल ने 1991-92 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 284 ओवर गेंदबाजी की थी लेकिन बुमराह अपने अलग तरह के एक्शन के कारण जल्दी चोटिल हो गए। टीम को इस दौरे पर चोटिल मोहम्मद शमी की भी कमी खली। भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

मुझ में जीत की भूख बरकरार, अभी काफी कुछ हासिल करना है : पीवी सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडोनेशिया के अनुभवी कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में अभ्यास शुरू करने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि करियर के इस चरण में उनके पास सफलता हासिल करने के लिए अभी काफी जज्बा बाकी है।

हैदराबाद की इस 29 साल की पूर्व विश्व चैंपियन ने पिछले दो साल में कई कोच के साथ काम किया है लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसमें पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने से विफल रहना भी शामिल है।

पिछले महीने अपनी शादी के बाद मलेशिया ओपन से चूकने के बाद इंडिया ओपन सुपर 750 में वापसी करने वाली सिंधू ने कोच इरवानस्याह की देख-रेख में अभ्यास शुरू कर दिया। इंडोनेशिया के इस कोच को जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी गिंटिंग जैसे पुरुष एकल खिलाड़ियों के करियर को संवारने का श्रेय दिया जाता है।

सिंधू ने इंडिया ओपन की पूर्व संध्या पर कहा, मैं अभी बेंगलूरु में कोच इरवानस्याह के देखरेख अभ्यास कर रही हूं। अभी डेढ़ सप्ताह ही हुए हैं। मूल रूप से वह महिला एकल कोच हैं और साथ ही वह कुछ युवा लड़कों को भी प्रशिक्षित कर रहे हैं। मैं उनके साथ काम जारी रखना चाहती हूं। उन्होंने कहा, कोच और खिलाड़ी के बीच समझ काफी अहम होती है। इसमें समय लगेगा। हमें एक-दूसरे की सोच को समझने के लिए कुछ अभ्यास सत्रों की आवश्यकता होगी।

भारत की इस शीर्ष महिला खिलाड़ी ने कहा, मैंने उसके बारे में बहुत कुछ सुना है और मुझे लगा कि वह मेरे लिए सही कोच है। जिस तरह से वह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को लेकर जिस तरह से योजना बनाते हैं वह शानदार है।

सुविचार

चीनी और बालू साथ मिल जाते हैं लेकिन चींटी बालू के कण छोड़ देती है और शक्कर के दाने बिन लेती है। इसी तरह एक संत बुरे लोगों से भी अच्छाइयों को ही ग्रहण करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खातों में सेंध, भरोसे पर ग्रहण

नब्बे के दशक तक लोगों में इस बात को लेकर भरोसा बहुत मजबूत होता था कि अगर बैंक में रुपए जमा हैं, लॉकर में कोई कीमती चीज रखी है तो उनके सुरक्षित रहने की गारंटी है। हालांकि ठगी की कुछ घटनाएं तब भी होती थीं, लेकिन जब से डिजिटल का दौर आया है, इसकी खामियों का फायदा उठाकर कुछ शातिर लोग ग्राहकों के खाते धड़ाधड़ खाली कर रहे हैं। सरकार को इस ओर ध्यान देकर प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाना होगा। ऑनलाइन ठगी को अंजाम देने में साइबर अपराधी तो लिप्त हैं ही, कुछ बैंक कर्मचारी भी अपना ईमान बेच रहे हैं। जब बाड़ ही खेत को खाने लगेगी तो किस पर भरोसा किया जाए? एक मशहूर बैंक की इंदौर शाखा में कार्यरत रिलेशनशिप मैनेजरों पर जब अमीर बनने की सनक सवार हुई तो उन्होंने दफ्तर में इस्तेमाल होने वाले खास सॉफ्टवेयर के जरिए ग्राहकों के खातों में सेंध लगानी शुरू कर दी! उन्होंने मध्य प्रदेश के अलावा पंजाब, गुजरात और तेलंगाना के दर्जनभर ग्राहकों के खातों से रुपए निकालकर महंगे मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और डिजिटल सोने की खरीदारी कर ली! यह तो इनकी करतूतों का भंडाफोड़ हो गया, अन्यथा ये कोई बहुत बड़ा कांड करते। बैंक के कुछ कर्मचारियों द्वारा अपने ही ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी बहुत गंभीर मामला है। पिछले साल जुलाई में हिमाचल प्रदेश में एक बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर का मामला बहुत चर्चा में रहा था, जिसने ऑनलाइन गेम खेलते हुए कई खाताधारकों के 3.80 करोड़ रुपए डुबो दिए थे। इसी तरह बेंगलूरु में स्थित एक बैंक शाखा में कार्यरत मैनेजर ने किसी कंपनी का संवेदनशील डेटा चुराकर उसके खाते से बहुत बड़ी रकम इधर-उधर करने के लिए डेढ़ दर्जन खातों का इस्तेमाल किया, लेकिन उसकी चालाकी काम नहीं आई और आखिरकार पकड़ा गया।

एक ओर जहां अन्य बैंक कर्मचारी बहुत मेहनत व ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाते हैं, वहीं कुछ कर्मचारी लालच में आकर अपराध करते हैं तथा अपनी और बैंक की प्रतिष्ठा धूमिल करते हैं। लोग बहुत मेहनत से रुपए कमाकर बैंकों में रखते हैं, क्योंकि वे उन पर भरोसा करते हैं। अगर किसी शाखा में ऐसा अपराध हो जाता है तो लोगों का भरोसा दोबारा कायम करना बड़ा मुश्किल होता है। बैंक कर्मचारी की भूमिका उस रक्षक की तरह होती है, जिसे कोई ग्राहक एक रुपया भी सौंपे तो उसके सुरक्षित होने का 100 प्रतिशत भरोसा हो। पिछले साल दिल्ली में एक बैंक की शाखा में कार्यरत मैनेजर ने ग्राहकों की एफडी तोड़कर लगभग 52 करोड़ की रकम ऑनलाइन जुए में उड़ा दी थी। बाद में जांच एजेंसियों ने उसका कच्चा चिट्ठा खोल दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में कार्यरत एक बैंक कैशियर को नोट गिनते-गिनते सट्टेबाजी का चस्का लग गया। उसने पहले अपनी जेब से रुपए लगाए और हार गया। इसके बाद बैंक के 54.64 लाख रुपए लगाए। वे भी हार गया। फरवरी 2023 में बिहार में एक बैंक मैनेजर ने आत्महत्या कर ली थी। जब जांच की गई तो पता चला कि वह डिप्रेशन में था, चूंकि उसने ऑनलाइन जुए-सट्टे के जरिए करोड़पति बनने के प्रयास में बहुत बड़ी रकम दांव पर लगा दी थी। जब सबकुछ हार गया तो खौफनाक कदम उठा लिया। जल्दी मालामाल होने, सभी सुविधाएं हासिल करने और आसानी से धन कमाने का लालच बहुत लोगों को बर्बाद कर चुका है। ऐसे कामों में लोग तब तक रुपए लगाते रहते हैं, जब तक सबकुछ नहीं लुटा देते। वे उधार लेकर या हेरफेर करके दांव लगाने से भी नहीं हिचकते। किसी बैंक कर्मचारी को इसकी लत लग गई तो वह बहुत बड़ा नुकसान करवा सकती है। डिजिटल लेनदेन के कारण रुपए लगाना बहुत आसान हो गया है। बैंकों को अपने कर्मचारियों को इससे सावधान करते हुए ग्राहकों के भरोसे को मजबूत रखना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने एवं पर्यटकों को बेहतर आदित्य का अनुभव प्रदान करने को लेकर आज राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित पर्यटन शर्मता निर्माण कार्यशाला में सम्मिलित होकर टूर ऑपरेटरों और पर्यटक गाइडों को संबोधित किया।

-दीया कुमारी

तीर्थराज प्रयागराज में आस्था के महापर्व पवित्र महाकुंभ के शुभारंभ के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। यह अलौकिक महाकुंभ सभी तीर्थयात्रियों के आध्यात्मिक जीवन को और समृद्ध करे यही कामना करता हूं।

-अशोक गहलोत

पौष पूर्णिमा पर पवित्र स्नान के साथ ही आज से प्रयागराज की पुण्यभूमि पर महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़े इस दिव्य अवसर पर मैं सभी श्रद्धालुओं का हृदय से वंदन और अभिनंदन करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

अहसास की शक्ति

एक व्यक्ति बहुत परेशान था। संत ने उसे सलाह दी कि श्रीकृष्ण भगवान की पूजा शुरू कर दो। उसने श्रीकृष्ण भगवान की एक मूर्ति घर लाकर उसकी पूजा करना शुरू कर दी। कई साल बीत गए लेकिन, कोई लाभ नहीं हुआ। फिर दूसरे महात्मा ने कहा कि तू काली मां की पूजा कर, जरूर तुम्हारे दुख दूर होंगे। अगले ही दिन वो एक काली मां की मूर्ति घर ले आया। श्रीकृष्ण की मूर्ति मंदिर के ऊपर बने एक टांड पर रख दी और काली मां की मूर्ति मंदिर में रखकर पूजा शुरू कर दी। फिर उसके दिमाग में ख्याल आया कि जो अगरबत्ती, धूपबत्ती काली जी को जलाऊंगा, उसे तो श्रीकृष्णजी भी सूंघ लेंगे। ऐसा करता हूं कि श्रीकृष्ण के मुंह पर कपड़ा बांध देता हूं। जैसे ही वो ऊपर चढ़कर श्रीकृष्ण के मुंह पर कपड़ा बांधने लगा श्रीकृष्ण भगवान ने उसका हाथ पकड़ लिया। वो हैरान रह गया और भगवान से पूछा, 'इतने वर्षों से पूजा कर रहा था तब तो नहीं आए! अब कैसे प्रकट हो गए? श्रीकृष्ण ने समझाते हुए कहा, 'आज तक तू एक मूर्ति समझकर मेरी पूजा करता था। किन्तु आज तुम्हें अहसास हुआ कि कृष्ण सांस ले रहा है, बस मैं आ गया।'

सामयिक

ऐसा अद्भुत आयोजन नेतृत्व के ज्ञान और संकल्प से ही संभव

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतों वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की आचार्यों की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता। हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संतों, आचार्यों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता। थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग करें भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत, संन्यासी, साधू, महंत, आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूर्तों, कर्मकांडों का महत्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा, किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह पर्यत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती।

वर्ष 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पानी को अधिकतम संभव शुद्ध और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर दिन रात एक किया। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड रुपए व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड रुपए का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थाई निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इन्कार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा- मोटी 3 लाख के आसपास पौधों के रोपण का आंकड़ा है। पहले भी वृक्षारोपण होते थे किंतु संख्या अत्यंत कम होती थी। ऐसे आयोजनों में स्वच्छता के अभाव में लोगों में अनेक स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है।

हालांकि हिंदुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं। किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान सहज और अनुकूल होता है। सबसे बड़ी बात कि अखाड़ों,आश्रमों आदि की परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था करना ताकि कर्मकांड संपूर्ण नियमों के साथ ही सुनिश्चित हो, मुख्य शाही स्नान ठीक मूहूर्त पर शास्त्रीय विधियों से संपन्न हों कम इसकी व्यवस्था तो पूर्व सरकारों इस तरह संभव ही नहीं थी। इसके साथ मीडिया को भारत और संपूर्ण विश्व में इसकी संपूर्ण भव्यता दिव्यता और आकषर्णकारी शक्ति को प्रसारित करने की दृष्टि से उपयोग करने की ऐसी व्यवस्था की तो संभावना भी नहीं थी। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाना जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। इसे ही कहते हैं सही समय पर मीडिया के सही उपयोग से धार्मिक आध्यात्मिक भाव- सद्भाव पैदा करना। कभी भी ऐसे आयोजनों में मीडिया और पत्रकारों के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए इसके पूर्व कोशिश नहीं हुई। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है।

धीरे-धीरे अब परंपरागत आर्थिक विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि भारत अगर विश्व की आर्थिक और आदर्श महाशक्ति बनेगा तो अध्यात्म-संस्कृत की क्षमता का उसमें सर्वाधिक योगदान होगा। मोटा - मोटी निष्कर्ष यह है कि लगभग 40 करोड लोग 45 दिनों में आते हैं तो दो से चार लाख तक का कारोबार हो सकता है। आयोजन के निर्माण में तैयार आधारभूत व्यवस्थाएं भविष्य में भी ऐसे स्थानों पर तीर्थ यात्रियों और आधुनिक संदर्भ में पर्यटकों को सतत आकर्षित करने का ठोस आधार बना रहेगा।

अर्थात आर्थिक व व्यावसायिक गतिविधियों का अस्थाई स्थिर चक्र कायम रहेगा। कितने लोगों को जीवन यापन यानि रोजगार,आर्थिक समृद्धि, परिवारों में खुशहाली और संपन्नता प्राप्त होगी इसकी कल्पना करिए। दुर्भाग्य से गुलामी के काल में अपनी ही महान आध्यात्मिक शक्ति, संस्कृति, कर्मकांड आदि को पिछड़ापन, अंधविश्वास कहकर हमें उससे दूर किया गया और संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था शिक्षित लोगों के अंदर इसके प्रति वितृष्णा पैदा करती रही। सच यह है कि ऐसे आयोजन जन कल्याण, राष्ट्र, अभ्युदय और संपूर्ण विश्व ब्रह्मांड के अंदर स्वाभाविक शांति की अमूर्त अंत:शक्ति पैदा करते हैं। साधु-संतों, अखाड़ों का स्नान, यज्ञ, अनुष्ठान आदि उनकी व्यक्तिगत कामना के लिए नहीं विश्व कल्याण पर केंद्रित होता है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

विशेष

दान, ध्यान और स्नान का पर्व है मकर संक्रांति

बाल मुकुन्द ओझा

भारत में प्रत्येक पर्व और त्योहार का अपना सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व होता है। ऐसा ही एक पर्व मकर संक्रांति है जो लोक मंगल को समर्पित है। हिन्दू तीज-त्योहारों में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति का त्योहार धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। लोकमंगल के त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं। यह त्योहार न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका वैज्ञानिक महत्व भी है। मकर संक्रांति सूर्य, पृथ्वी और ऋतुओं के बीच के संबंध को दर्शाने वाला पर्व है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, मकर संक्रांति पुण्य काल का समय सुबह 9 बजकर 3 मिनट से लेकर शाम 5 बजकर 46 मिनट तक रहेगा और महापुण्य काल का समय सुबह 9 बजकर 3 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। मकर संक्रान्ति पर्व पूरे भारत और नेपाल में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख त्यौहारों में से एक है, जिसे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग नाम से जाना जाता है। उत्तर भारत में इसे संक्रांति, गुजरात और महाराष्ट्र में उत्तरायण, तमिलनाडु में पोंगल और असम में माघ बिहू कहा जाता है। हिन्दी भाषी क्षेत्रों में इस त्यौहार को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। यह त्यौहार सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

धार्मिक विश्वास के अनुसार मकर संक्रांति पर किये गये दान के कार्य अन्य दिनों के अपेक्षा सौ गुना अधिक पुण्य प्राप्त होता। इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना बेहद पुण्यकारी माना जाता है। यह त्योहार देश में पतंजबाजी के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। इस अवसर पर महिला और पुरुष सबेरे से शाम होने तक अपनी अपनी छतों पर वो काटा की करतल ध्वनि के साथ पतंगबाजी का आनंद उठाते है। इस दिन तिल का हर जगह किसी ना किसी रूप में प्रयोग होता ही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार ऐसा माना जाता है कि अगर मकर संक्रांति के दिन तिल का दान या सेवन किया जाए तो इससे शनि देव प्रसन्न होते हैं। जिससे ऐसे व्यक्ति जिस पर शनि देव का कुप्रभाव है वह भी कम हो जाता है। इसलिए इस दिन काले तिल को दान करने की मान्यता है।

तिल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति के दिन का ही चयन किया था। मकर संक्रांति के दिन गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर सागर में जा मिलीं। इसीलिए आज के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगास्नान एवं गंगातट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। मकर संक्रांति को मौसम में बदलाव का सूचक भी माना जाता है।

भारत में मकर संक्रान्ति विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। बंगाल में इस पर्व पर गंगासागर पर बहुत बड़े मेले का आयोजन होता है। यहां इस पर्व के दिन स्नान करने के बाद तिल दान करने की प्रथा है। कहा जाता है कि इसी दिन यशोदा जी ने श्रीकृष्ण की प्राप्ति के लिए व्रत रखा था। इसी दिन गंगा भगीरथ के पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होते हुए गंगा सागर में जा मिली थीं। यही वजह है कि हर साल मकर संक्रांति के दिन गंगा सागर में भारी भीड़ होती है। इस साल महाकुंभ मेले में दूसरा शाही स्नान भी मकर संक्रांति 2025 के पावन पर्व पर आयोजित हो रहा है। यह महाकुंभ प्रयागराज में हो रहा है। मकर संक्रांति 2025 विशेष रूप से स्नान और दान का पर्व है। इस दिन गंगास्नान करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

नजरिया

रेलवे में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण की परिवर्तनकारी यात्रा

अरोमा सिंह ठाकुर

आईजी-कम-पीसीएससी दक्षिण मध्य रेलवे

गतिशीलता का तात्पर्य केवल लोगों की आवाजाही से नहीं है; यह सशक्तीकरण का साधन है, अधिकारों को सुनिश्चित करने वाला है तथा सामाजिक-आर्थिक विकास का अग्रदूत है। भारत में, जहां भारतीय रेलवे प्रतिदिन 23 मिलियन से अधिक यात्रियों को परिवहन सुविधा देती है, गतिशीलता अवसरों - शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक भागीदारी तक पहुंच का प्रतिनिधित्व करती है। इस विशाल नेटवर्क पर निर्भर रहने वाली लाखों महिलाओं के लिए सुरक्षित आवागमन एक मौलिक अधिकार और सशक्तीकरण का साधन है। गतिशीलता आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाती है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में योगदान मिलता है। जैसा कि मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट ने रेखांकित किया है, भारत के श्रम बल में लैंगिक अंतर को कम करने से वर्ष 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में 770 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो सकती है। भारतीय रेलवे और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इस परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा उन्होंने ऐसी पहल की है जो समावेशिता और सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देती है।

आरपीएफ के प्रयासों में सबसे आगे ऑपरेशन मेरी सहेली है, जो वर्ष 2020 में महिला यात्रियों, विशेषकर अकेले यात्रा करने वाली, बच्चों के साथ यात्रा करने वाली या देखभाल करने वाली महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई एक समग्र पहल है। 249 समर्पित मेरी सहेली टीमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिदिन लगभग 500 ट्रेनों में मौजूद रहती हैं और ये महिला आरपीएफ कर्मी प्रतिदिन लगभग 13,000 महिला यात्रियों से उनकी यात्रा के प्रारंभ से लेकर अंत तक बातचीत करती हैं, यात्रा के दौरान संपर्क बनाए रखती हैं और गंतव्य पर उनका सुरक्षित उतरना सुनिश्चित करती हैं। विश्वास को बढ़ावा देने और निरंतर समर्थन प्रदान करने के माध्यम से, ऑपरेशन मेरी सहेली ने अनगिनत महिलाओं के यात्रा अनुभव को बदल दिया है, उनके मनोवैज्ञानिक बोझ को कम किया है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है।

यात्री-केंद्रित पहलों के अलावा, आरपीएफ ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाली विशेष सुरक्षा टीमें स्थापित की हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे में शक्ति टीमें, उत्तर पश्चिम रेलवे में दुर्गा वाहिनी टीमें, प्लेटफार्मों, ट्रेनों और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में गश्त करती हैं, घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देती हैं और महिला यात्रियों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देती हैं। आरपीएफ की महिला कार्मिक, रेल यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से गुजर रहीं गर्भवती महिलाओं की सहायता करने के लिए अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर काम करती हैं। अकेले वर्ष 2024 में, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने ट्रेनों और रेलवे क्षेत्रों में 174 प्रसव में सहायता की। साथ ही रेलवे के संपर्क में आने वाले देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को बचाने के लिए एक गहन अभियान शुरू किया गया है। वर्ष 2024 के दौरान इस अभियान के तहत आरपीएफ द्वारा 4,528 बालिकाओं को बचाया गया। आरपीएफ कार्मिक देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाली महिलाओं सहित वयस्कों को बचाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये लोग घर छोड़कर आए हुए, परित्यक्त, नशे के आदी, बेसहारा या चिकित्सा सहायता की जरूरत वाले हो सकते हैं। वर्ष 2024 में, लगभग 1,607 ऐसी महिलाओं/लड़कियों को बचाया गया। आरपीएफ कर्मियों ने महिलाओं/लड़कियों की जान बचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस मिशन के तहत वर्ष 2024 में कुल 1,043 महिलाओं/लड़कियों की जान बचाई गई। भारतीय रेलवे के चार प्रमुख डिवीजनों का नेतृत्व महिला वरिष्ठ डिवीजनल सुरक्षा आयुक्तों द्वारा किया जा रहा है और भारतीय रेलवे के 47 आरपीएफ थानों का संचालन आरपीएफ महिला निरीक्षकों द्वारा किया जा रहा है। इनके अलावा, भारतीय रेलवे के कुछ रेलवे स्टेशन और आरपीएफ चौकियां पूरी तरह से महिला कर्मियों द्वारा संचालित हैं। वास्तविक समय की निगरानी और हस्तक्षेप के उद्देश्य से चेहरे की पहचान और व्यवहार विश्लेषण के साथ एआई-संचालित निगरानी प्रणाली, लाइव ट्रैकिंग की पेशकश करने वाले मोबाइल सुरक्षा अनुप्रयोग, आरपीएफ कर्मियों के साथ सीधा संचार और त्वरित अलर्ट आदि यात्रियों को सहायता तक तत्काल पहुंच प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे। प्रौद्योगिकी को अपनाकर, आरपीएफ का लक्ष्य अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक समावेशी गतिशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। ऐसे युग में जहां सुरक्षा और सशक्तीकरण को विकास के आधार के रूप में मान्यता दी जा रही है, आरपीएफ दूरदर्शिता, सहानुभूति और कार्रवाई की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है। यह सिर्फ़ यात्रियों को ले जाने के बारे में नहीं है; यह एक राष्ट्र को सम्मान, समानता और प्रगति की ओर ले जाने के बारे में है। 'एक सुरक्षित और अधिक समावेशी भविष्य की ओर यात्रा सिर्फ एक मंजिल नहीं है - यह एक विरासत का निर्माण है।'

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाकुंभ में बिछड़े 250 से अधिक लोग अपनों से मिले

महाकुंभ नगर। प्रयागराज में सोमवार को महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पर तड़के घने कोहरे के बीच भारी भीड़ में अपनों से बिछड़े 250 से अधिक लोगों को मेला प्रशासन ने भूले-भटके शिविर के माध्यम से उनके परिजनों से मिलवाया। मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को संभालने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने भूले-भटके शिविर सहित कई भीड़ नियंत्रण पहल की है। इसके अलावा, पुलिस सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं और मेले के लिए विशेष रूप से 'वॉच टावर' लगाए गए हैं। भूले-भटके शिविरों में बिछड़ी महिलाओं और बच्चों के लिए समर्पित खंड के साथ खोया-पाया केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जो डिजिटल टूल और सोशल मीडिया सहायता से युक्त हैं। वहीं, घाटों पर लगाए गए लाउड स्पीकर से लापता लोगों के बारे में लगातार घोषणा की जा रही है, जिससे बिछड़ों को उनके परिजनों से मिलाने में मदद मिल रही है। उत्तर प्रदेश नागरिक सुरक्षा के वार्डन नितेश कुमार द्विवेदी ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, नागरिक सुरक्षा विभाग और मेला अधिकारियों की निगरानी में सैकड़ों परिवारों को मिलाया गया। स्नान शुरू होने के महज डेढ़ घंटे में नागरिक सुरक्षा विभाग के लोग करीब 200-250 लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में सफल रहे। दिल्ली से आए श्रद्धालु अजय गोयल ने अपने परिजनों से बिछड़ने का दर्द बयां करते हुए कहा, पहले हम मजाक किया करते थे कि कैसे लोग कुंभ मेले में बिछड़ जाते हैं, जैसा कि पुरानी फिल्मों में दिखाया जाता था। मेरे परिजनों से बिछड़ने के बाद हमें अहसास हुआ कि यह मजाक नहीं है, बल्कि वास्तव में ऐसा होता है। वहीं, परिवार के 13 सदस्यों के साथ संगम स्नान के लिए आई सुजाता झा ने अपना दुख साझा करते हुए कहा, तीन घंटे बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मेरे परिवार के सदस्य मुझ तक नहीं पहुंच पाए हैं। मेरे नाम की घोषणा कई बार की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई नहीं आया। उन्होंने कहा, मेरा सामान, फोन और कपड़े उनके पास हैं। मैं यहां भीगे हुए कपड़ों में उनका इंतजार कर रही हूं। इसी तरह की कहानी ओमवती ने साझा की, जो शाहजहांपुर के निगोही की रहने वाली हैं। उन्होंने कहा, मैं दो अन्य लोगों के साथ आई हूं, लेकिन वे मुझसे बिछड़ गए हैं। अब मैं अकेली हूं। बिछड़ने-भटकने की इन भावुक कहानियों के बावजूद प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाएं तारीफ के काबिल हैं। अजय गोयल ने कहा, लाउड स्पीकर के माध्यम से घोषणा और खोया-पाया केंद्र शानदार पहल हैं। अधिकारियों से तुरंत जवाब मिलता है, यह अपने आप में सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि खोया-पाया केंद्रों में सोशल मीडिया मंचों सहित कई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है, ताकि बिछड़े हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में मदद मिल सके।

महाकुंभ में पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ कल्पवास की शुरुआत

महाकुंभ नगर। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम पर सोमवार को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ ही महाकुंभ और 'कल्पवास' की शुरुआत हो गई। सनातन आस्था के महापर्व महाकुंभ की शुरुआत, तीर्थराज प्रयागराज के संगम तट सोमवार को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू हुई। इस दौरान भारत की सांस्कृतिक विविधता में आध्यात्मिक एकता का मनोरम दृश्य संगम तट पर देखने को मिल रहा है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आस्था की डोर में बंधे गंगा, यमुना, सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान करने करोड़ों की संख्या में आ रहे हैं। इसके साथ ही महाकुंभ की विशिष्ट परंपरा कल्पवास की भी शुरुआत हो गई है। पद्म पुराण और महाभारत के अनुसार संगम तट पर माघ मास में कल्पवास करने से सौ वर्षों तक तपस्या करने के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। विधि-विधान के अनुसार लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने संगम तट पर केला,तुलसी और जौं रोपकर एक महा व्रत और संयम का पालन करते हुए कल्पवास की शुरुआत की। तीर्थराज प्रयागराज में माघ मास में कल्पवास करने का विधान है, महाकुंभ में कल्पवास करना विशेष फलदायी माना जाता है। इसलिये इस वर्ष अनुमान के मुताबिक 10 लाख से अधिक लोग संगम तट पर पूरे एक माह का कल्पवास करेंगे।

कल्पवास के विधान और महत्व के बारे में तीर्थ पुरोहित श्याम सुंदर पाण्डेय कहते हैं कि कल्पवास का शाब्दिक अर्थ है कि एक कल्प अर्थात एक निश्चित समयावधि में संगम तट पर निवास करना। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने का विधान है। श्रद्धालु अपनी शारीरिक और मानसिक स्थित के अनुरूप तीन दिन, पांच दिन, ग्यारह दिन आदि का संकल्प लेकर भी कल्पवास करते हैं। पूरी तरह विधि-विधान से कल्पवास करने वाले साधक बारह वर्ष लगातार कल्पवास कर महाकुंभ के अवसर पर इसका उद्यापन करते हैं, जो कि शास्त्रों में विशेष फलदायी और मोक्षदायक माना गया है। पाण्डेय ने बताया कि कल्पवास को हमारे शास्त्रों और पुराणों में मानव की आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ मार्ग बताया गया है। वस्तुतः कल्पवास को सनातन परंपरा के अनुसार वानप्रस्थ आश्रम से संन्यास आश्रम में प्रवेश का द्वार माना गया है। एक माह संगम या गंगा तट पर विधिपूर्वक कल्पवास करने से मानव का आंतरिक एवं बाह्य कायाकल्प होता है।

उन्होंने बताया कि पद्म पुराण में भगवान दत्तात्रेय ने कल्पवास के 21 नियमों का उल्लेख किया है, जिसका पालन कल्पवासी संयम के साथ करते हैं। जिनमें से तीनों काल गंगा स्नान करना, दिन में एक समय फलाहार या सादा भोजन ही करना, मद्य,मांस,मदिरा आदि किसी भी प्रकार के दुर्व्यसनों का पूर्णतः त्याग करना, झूठ नहीं बोलना,अहिंसा, इन्द्रियों पर नियंत्रण, दयाभाव और ब्रह्मचर्य का पालन करना, ब्रह्म मुहूर्त में जागना,स्नान, दान, जप, सत्संग, संकीर्तन, भूमि शयन और श्रद्धापूर्वक देव पूजन करना शामिल है। पौराणिक मान्यता और शास्त्रों के अनुसार पौष पूर्णिमा के दिन श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त में संगम स्नान कर, भगवान शालिग्राम और तुलसी की स्थापना कर, उनका पूजन किया। सभी कल्पवासियों को उनके तीर्थपुरोहितों ने पूजन करवा कर हाथ में गंगा जल और कुशा लेकर कल्पवास का संकल्प करवाया। इसके साथ ही कल्पवासियों ने अपने टेंट के पास विधिपूर्वक जौ और केला का पौधा भी रोपा। सनातन परंपरा में केले के पौधे को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। कल्पवासी पूरे माघ मास केला और तुलसी का पूजन करेंगे। तीनों काल में सभी कल्पवासी नियम पूर्वक गंगा स्नान, जप, तप, ध्यान, सत्संग और पूजन करेंगे। कल्पवास के काल में साधु-संन्यसियों के सत्संग और भजन-कीर्तन करने का विधान है। कल्पवासी अपने मन को सांसरिक मोह से विरक्त कर आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग की ओर ले जाता है।

हजारों विदेशी श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ का संगम घाट इस बार दुनिया के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र बना गया है।अमेरिका, रूस, जर्मनी, इटली, इक्वाडोर समेत तमाम देशों के लोग सनातन संस्कृति से अभिभूत नजर आए और सभी ने संगम में डुबकी लगाई और माथे पर तिलक लगाकर संगम की रेती पर निकल पड़े। इस दौरान स्पेनिश, जर्मन, रशियन और फ्रेंच समेत कई विदेशी भाषाओं में जय श्री राम और हर हर गंगे के जयकारों से संगम का वातावरण गूंज उठा। विदेशी श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बताया है। जर्मनी की रहने वाली क्रिस्टीना ने कहा यहां आकर आत्मा को शांति मिलती है। मैंने महाकुम्भ के बारे में सुना जरूर था, लेकिन यहां आकर ऐसा लगा कि यह अनुभव अविस्मरणीय है। क्रिस्टीना का जन्म इक्वाडोर में हुआ था। बाद में इनके माता पिता जर्मनी में बस गए। इक्वाडोर के निवासी उनके साथी भी भारत की आध्यात्मिकता से अभिभूत नजर आए। उनका कहना था कि गंगा में डुबकी लगाकर ऐसा महसूस हुआ, जैसे सभी पाप धुल गए हों।

न्यूयॉर्क से आए फैशन डिजाइनर कॉबी हेल्परिन ने कहा, भारत की संस्कृति और परंपराओं को इतने भव्य रूप में देखना मेरे लिए एक नया अनुभव है। महाकुम्भ ने मुझे भारतीय संस्कृति को गहराई से समझने का अवसर दिया। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी प्रेरणादायक है। यहां आकर उन्हें गौरव का अहसास हो रहा है। रूस से आए मिखाइल और उनके दोस्तों ने संगम घाट पर गंगा स्नान कर हर हर गंगे के जयकारे लगाए। उन्होंने कहा, मैंने महाकुम्भ के बारे में पढ़ा था, लेकिन यहां आकर इसकी विशालता और दिव्यता को महसूस करना मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत अनुभव है। यह हम सभी के लिए कभी न भूलने वाला क्षण है। इटली से आए पाउलो ने अपने 12 सदस्यीय दल के साथ महाकुम्भ में संगम स्नान कर पावन पुण्य कमाया। उन्होंने योगी सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा, दुनिया में इतना बड़ा सांस्कृतिक आयोजन कहीं और संभव नहीं है। यह भारत की महानता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश में यह आयोजन हो रहा है, इसके लिए यहां के शासक (सीएम योगी) भी बधाई के पात्र हैं। इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया से आए एलेक्स ने बताया कि जर्मनी में उनके दोस्तों ने उन्हें महाकुम्भ के बारे में बताया था। भारत आकर उन्होंने इस अद्वितीय आयोजन का अनुभव किया और इसे अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया। महाकुम्भ इस बार न केवल भारतीय श्रद्धालुओं के लिए, बल्कि विदेशी पर्यटकों और भक्तों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बन गया है। विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और गंगा के महत्व को समझने और अनुभव करने के लिए उमड़ पड़े। यह आयोजन न केवल भारतीय परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि विश्व एकता और आध्यात्मिकता का संगम भी है। महाकुम्भ एक ऐसा आयोजन है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा।

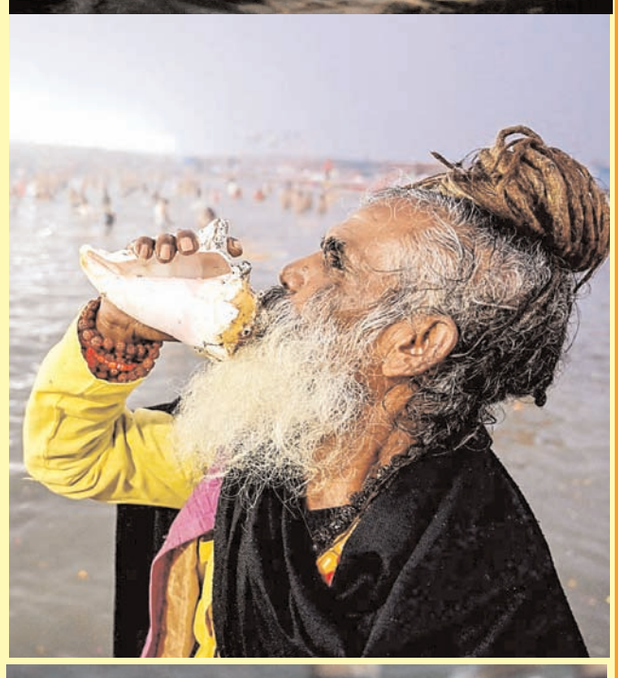

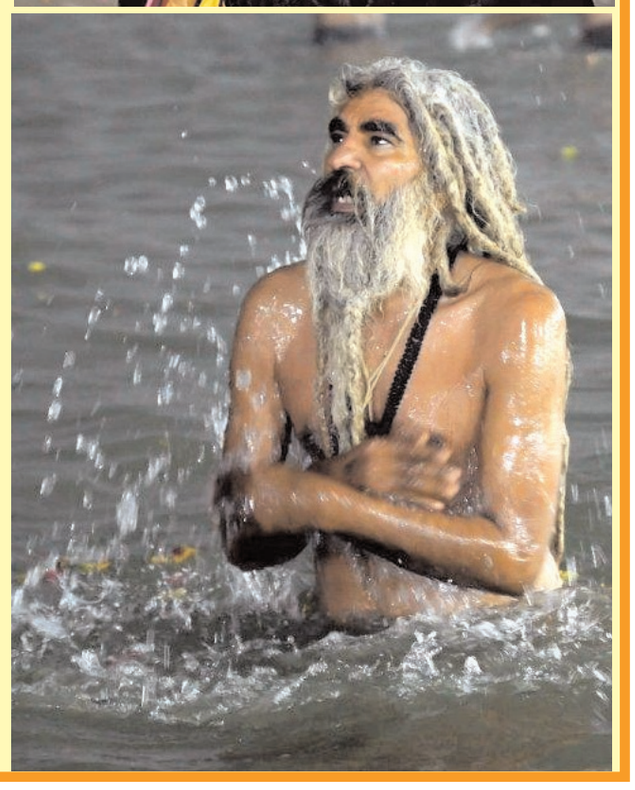

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 14-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो के कर्नाटक, केरल एवं गोवा जोन के एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन एक पंच सितारा होटल में किया गया जिसमें जीतो की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग व जरूरतमंद को 'खुशियों की गारंटी' का संकल्प लिया गया।

बैठक में उपस्थित शब्द की नई कार्यसमिति

'शब्द' संस्था की नई द्विवार्षिक कार्यकारिणी समिति का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण की प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2025-2026 के लिए अपनी नयी कार्य समिति की घोषणा की है । 'शब्द' के सलाहकार एवं 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' अखबार समूह के प्रधान संपादक श्रीकांत पाराशर की अध्यक्षता में रविवार को संपन्न शब्द की साधारण सभा में पुरानी कार्य समिति के उपलब्धिपूर्ण कार्यकाल की प्रशंसा की गयी। तदनंतर कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोलेच्छा द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024 के आय-व्यय को ध्वनिमत से अनुमोदित किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने करतल ध्वनि के बीच नयी कार्यसमिति की घोषणा की। पुनर्गठित कार्यसमिति का कार्यकाल अगले दो वर्षों के लिए प्रभावी होगा। कार्यसमिति में 'शब्द' की संस्थापक सरोजा व्यास संरक्षक हैं तथा श्रीकांत पाराशर सलाहकार हैं। डॉ श्रीनारायण समीर की अध्यक्षता में पुनर्गठित कार्य समिति में नलिनी पोपट तथा डॉ उषारानी राव क्रमशः कार्यकारी अध्यक्ष और सचिव का कार्यभार पूर्ववत संभालती रहेंगी। डॉ मैथिली पी राव संयुक्त सचिव बनायी गई हैं और युवा कवि दीपक सोपोरी को संगठन सचिव बनाया गया है। श्रीकांत शर्मा कार्यक्रम संयोजक बने रहेंगे जबकि राजेन्द्र गुलेच्छा कोषाध्यक्ष का दायित्व संभालेंगे। विद्या कृष्णा, बाबूलाल गुप्ता, आनंदमोहन झा, मथुरा कलौनी, बिंदु रायसोनी, हंसराज मुणोत, कविता भट्ट, लोकेश कुमार मिश्र और ऋताशेखर मधु कार्य समिति के सदस्य बनाए गए हैं। कार्यसमिति में दो से तीन सदस्यों का मनोनयन बाद में होगा।

सांगठनिक औपचारिकता के पश्चात 'शब्द' की रचना गोष्ठी कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें मुख्य अतिथि थे नौवें दशक के चर्चित कवि संजय कुंदन। गोष्ठी में पहले 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' से सम्मानित कवि मदन कश्यप तथा कथालोचक अरविन्द कुमार की भागीदारी भी महत्वपूर्ण थी। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, विद्या कृष्णा, दीपक सोपोरी, रचना उनियाल, वरुण सिंह तन्हा, ऋताशेखर मधु, राजेन्द्र गुलेच्छा, श्रीकांत शर्मा, लोकेश मिश्र, अचला प्रवीन, स्नेही चौबे, संतोष दिवाकर, रमाकांत गुप्ता आदि के काव्य पाठ को श्रोताओं ने खूब पसंद किया। मदन कश्यप ने कविता में व्यंग्य के लिए करुणा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि व्यंग्य कविता को करुणा श्रेष्ठ बनाती है, जबकि करुणा हीन व्यंग्य क्रूर हो जाता है। उन्होंने अपनी 'दूर तक चुप्पी' कविता सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि संजय कुंदन का काव्यपाठ यादगार रहा। कार्यक्रम का संचालन 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने किया और विद्या कृष्णा ने धन्यवाद ज्ञापन की रस्मअदायगी की।

जीतो केकेजी जोन सम्मेलन में समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए 'खुशियों की गारंटी' का लिया संकल्प

सम्मेलन में जीतो अपेक्स व विभिन्न चैप्टरों के पदाधिकारियों ने की चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो के कर्नाटक, केरल एवं गोवा जोन के एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन एक पंच सितारा होटल में किया गया जिसमें जीतो की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग व जरूरतमंद को 'खुशियों की गारंटी' का संकल्प लिया गया। सम्मेलन में अपेक्स, जोन व चेप्टर के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों ने द्वीप प्रज्वलन किया। केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हम सभी के लिए एक ऐसा अवसर है जहां सभी सामूहिक रूप से विचार विमर्श कर भविष्य की दिशा तय कर सकते है, यह सभी का समर्थन एवं सहयोग ही जीतो के उद्धेश्य पूर्ति की कुंजी है। सम्मेलन में सर्वप्रथम जीतो अपेक्स कार्यालय के प्रबंधक भावेश जैन ने जीतो की संचालन प्रक्रिया के मानको का प्रशिक्षण दिया। सम्मेलन में जीतो अपेक्स अध्यक्ष विजय बाबूलाल भंडारी ने कहा कि संस्था को हमेशा अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने पर ही संस्था अपने उद्देश्यों की पूर्ति के मार्ग पर अग्रसर हो सकती है। महामंत्री ललितकुमार डांगी ने कहा कि जीतो एक ऐसा मंच है जो समाज के प्रत्येक वर्ग को नेतृत्व, ज्ञान और सेवा के माध्यम से जोड़ने का कार्य करता है। जीतो केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक ऐसा आंदोलन है जो जैन समाज की छवि को और सशक्त बना रहा है। अपेक्स के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि जीतो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक माध्यम है। जब हम व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर संस्था के हित में कार्य करते हैं तभी सच्चे अर्थों में समाज का विकास संभव होता है।

इस अवसर पर श्रमण आरोग्यम के अध्यक्ष रमेश हरण ने कहा कि जीतो के माध्यम से श्रमण सेवा जैसे मिशन में ओर अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ रहे है। अपेक्स वाइस चेयरमैन हिमांशु शाह ने कहा कि जीतो न केवल नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित करता है साथ ही जीतो समाज में सकारात्मक बदलाव और एकता का प्रतीक भी है। जीतो अपैक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने कहा कि जीतो अब समाज के विकास का एक सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। यह मंच हमें न केवल सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करता है, बल्कि समाज में नई संभावनाओं को साकार करने का अवसर भी प्रदान करता है। सम्मेलन में अपेक्स महिला विंग चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ व युवा विंग अध्यक्ष रजत हार्डी ने अपने विंग की कार्यप्रणाली पर अपने विचार रखें। आसित शाह ने सीएफई, भावेन कामदार ने जीतम, विनोद पोकरना ने जॉब्स, कैलाश गुलेच्छा ने जेबीएन, प्रियंका परमार ने मैट्रीमोनी, रमेश बोहरा व महेश नाहर ने जेएटीएफ, विक्की ओसवाल ने स्पोर्ट्स, कुमारपाल चोपड़ा ने जेपीएफ, नितिनकुमार जैन ने जे-पॉइंट व माइनॉरिटी, महावीर मेहता ने इंटरनेशनल योजना पर विस्तृत जानकारी दी। केकेजी जोन के बेंगलूरु साउथ-नार्थ, बल्लारी, हुब्बल्ली, गदग, दावनगेरे, मैसूरु, बीजापुर इत्यादि चेप्टर के पदाधिकारियों ने अपने-अपने चेप्टर की योजनाओं, उनके क्रियान्वन और जोन-अपेक्स से सहयोग व मार्गदर्शन की अपेक्षाओं को रखा। बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी व नार्थ अध्यक्ष विमल कटारिया ने जीतो समुदाय की एकजुटता और सामूहिक प्रयासों की अहमियत पर प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें प्रश्नोत्तर के माध्यम से संगठन के सदस्यों को आपस में जोड़ने और उनकी शंकाओं का निवारण किया गया।

सम्मेलन का संचालन केकेजी ज़ोन महामंत्री दिलीप जैन ने प्रभावी ढंग से किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से जीतो ने समाज में जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के महत्व को स्वीकार करने, और प्रत्येक सदस्य को अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए जानवकारी दी। सम्मेलन को सफल बनाने में जोन उपाध्यक्ष संतोष पोरवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, सचिव विनोद जैन के साथ जोन के प्रबंधन समिति सदस्यों का विशेष सहयोग रह।

गौ भजन संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कॉटनपेट मैन रोड स्थित राजपूत समाज भवन में गुरुश्री विक्रमनाथजी महाराज के सान्निध्य में 'एक शाम गौ माता के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी तथा उपस्थित धर्मनेताओं ने गौमाता को राष्ट्र माता बनाने व घोषित करने की अपील की। श्री राम गौ सेवा मंडल के सदस्यों ने कहा कि गौसेवा हम स भी का प्रथम कर्त्तव्य होना चाहिए। इस मौके पर अनेक श्रद्धालु व गौभक्त उपस्थित थे।

एकासना व सामायिक दिवस के रुप में मनाया जाएगा साध्वीश्री दर्शनप्रभा का 50वां दीक्षा दिवस

स्वर्णिम दीक्षा संयम जयंती महामहोत्सव समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर तपोवन में विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी के सान्निध्य में उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाजी के 50वें दीक्षा दिवस को एकासना व सामायिक दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया। 22 फरवरी को एकासना दिवस व 23 फरवरी को सामायिक दिवस मनाने व 50वां स्वर्णिम दीक्षा संयम जयंती महामहोत्सव पर्व भव्य रुप से मनाने के उद्देश्य से संतद्वय के निश्रा में महोत्सव समिति का गठन किया गया। इस महामहोत्सव में शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों को आमंत्रित किया जाएगा तथा महामहोत्सव समिति में बेंगलूरु महासंघ, कर्नाटका जैन कॉन्फ्रेन्स, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट व बेंगलूरु के सभी उपनगरों के स्थानक भवनों के सहयोग से यह महोत्सव मनाया जाएगा।

इस महामहोत्सव के लिए एक समिति का गठन किया गया जिसमें बेंगलूरु महासंघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचन्द संकलेचा, पारसमल जिनानी बागरेचा, जैन कॉन्फ्रेन्स के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष पुखराज मेहता को मुख्य मार्गदर्शक, बाबूलाल रांका, चेतनप्रकाश डूंगरवाल, गणेश बाग के मंत्री सम्पतराज मांडोत को संरक्षक बनाया गया है। शांतिनगर संघ के पूर्व अध्यक्ष महावीर मुथा को महामहोत्सव समिति का चेयरमैन, मरुधर केसरी सेवा समिति के चेयरमैन उत्तमचन्द रातड़िया को सहचेयरमैन, जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ को अध्यक्ष बनाया गया है।साथ ही गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख मार्गदर्शक मीठालाल भंसाली, पन्नालाल कोठारी, माणकचन्द बडेरा, बाबलाल लुंकड़, मीठालाल मकाना, रतन सिंघी, अनिल कोठारी, ललित कानूंगा, शांतिलाल खिंवसरा, पारसमल सालेचा को उपाध्यक्ष चुना गया। महामहोत्सव समिति में नेमीचन्द सालेचा को प्रमुख संयोजक, अशोक रांका व महावीरचन्द मेहता को सहसंयोजक, अभयकुमार बांठिया, सुरेन्द्र आंचलिया, नेमीचन्द दलाल, अशोक धोका को मंत्री तथा चेतन रेदासनी, फूलचन्द लुंकड व पुखराज आंचलिया को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी समिति में अनेक सक्रिय युवाओं को जोड़ा हैं। शहर के विभिन्न स्थानकों के महिला व युवा मंडल को भी समिति में जोड़ा गया है।

23 फरवरी को समारों में प्रभावना के लाभार्थी पंचकेसरी बड़ेरा ज्वेलर्स परिवार है तथा उपप्रवर्तिनीश्री के संयम जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन का लाभ अशोककुमार महेन्द्रकुमार रांका परिवार ने लिया है। कार्यक्रम में मेजबान महावीर तपोवन के प्रमुख बाबूलाल रांका ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम का संचालन महावीर चन्द मेहता ने किया।

माहेश्वरी महिला मंडल के नेत्र जांच शिविर में 210 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन ने आनंद मेला उत्थान 2024 से प्राप्त राशि से निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया जिसमें प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ नरपत सोलंकी, डॉ प्रियंक सोलंकी एवं डॉ सारिका व उनकी प्रोजेक्ट दृष्टि टीम ने चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की। म के द्वारा आयोजित किया । प्रारंभ मे भगवान उमा महेश की पूजा व दीप प्रज्वलन डॉ. नरपत सोलंकी, प्रियंक सोलंकी, महिला संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, बिमला चांडक, सुशीला बागड़ी, कृष्णा डागा, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालू, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन कमलकिशोर करनानी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी भगवानदास बलदवा, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा ने किया। महिला मंडल व अन्य सभा के पदाधिकारियों ने डाक्टरों व चिकित्सीय टीम का सम्मान किया। निर्मल तापडिया एवं अजय राठी ने प्रोजेक्ट दृष्टि टीम का स्वागत किया।

डॉ नरपत सोलंकी के नेतृत्व में आयोजित शिविर में 210 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। 215 सदस्यों को निःशुल्क चश्मे दिए गए। इस शिविर में जाँच के बाद ज़रूरतमंदों की आंखों का ऑपरेशन महिला संगठन द्वारा करवाया जाएगा । कार्यक्रम का संचालन सचिव निर्मला काँकाणी ने किया। धन्यवाद गायत्री मालपानी ने दिया।

'आपसी सहयोग, सेवा व आपसी सौहार्द भाव ही हमें अच्छा कार्यकर्ता बनाते है '

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा यशवंतपुर के पूर्व अध्यक्ष, गांधीनगर तेरापंथ ट्रस्ट के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश बाबेल की ओर से फार्म हॉउस सभागार में स्नेह मिलन का आयोजन किया जिसमें तेरापंथ समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य व विभिन्न सभा संस्थाओं के सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर सभी का स्वागत करते हुए प्रकाश बाबेल ने कहा कि हमारी एक दूसरे के प्रति सहयोग, सेवा भावना, सौहार्द, सामंजस्य तथा विनम्रता ने ही हमें कार्यकर्ता बनने का अवसर दिया तथा आज मेरा सौभाग्य है आप मेरे निमंत्रण पर पधारे। तेरापंथ सभा यशवंतपुर के निवर्तमान अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने बाबेल द्वारा प्रदत संघीय तथा सामाजिक सेवाओं के बारे में जानकारी दी। तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से कार्यकर्ताओं के आपसी संबंध मधुर बनेंगे । महासभा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य नवनीत मुथा ने कहा कि प्रकाश बाबेल एक सरल व्यक्ति है जो सदैव तेरापंथ धर्मसंघ व संघपति के प्रति समर्पित रहते हैं आपके कार्यकाल में यशवंतपुर सभा तथा गांधीनगर ट्रस्ट ने अनेकों विकास किया। कैलाश बोराणा ने कहा कि प्रकाश बाबेल एक विनम्र, सरल व सादे व्यक्ति है जिनके हर व्यक्ति के साथ मधुर संबंध हैं। यशवंतपुर सभा के निर्वतमान मंत्री महावीर ओस्तवाल ने कहा कि प्रकाश जी बाबेल एक ऐसी शख्शियत है जिसने हमेशा सकारात्मकता को अपनाया है। मेज़बान प्रकाश, दीपक, विकास, ध्रुव बाबेल परिवार ने सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर हीरालाल मालू, बाबूलाल पोरवाल, मदन बोराणा, मदनराज नाहर, मूलचन्द नाहर, सुरेश बरड़िया, पवन मांडोत, कैलाश बोराना, मोहनलाल गादिया, प्रकाश लोढ़ा सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे। सभी ने मिलकर प्रकाश बाबेल को स्मृति स्वरुप एक चित्रपट भेंट कर सम्मान किया।

राइजिंग स्टार टीम बनी विजयनगर परिषद क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर परिषद ने अपने स्थापना के 40 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्था के अध्यक्ष मनोज बैद ने शहर में प्रवासित समस्त थळी तेरापंथी समाज के युवकों व किशोरों को मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से सुपर 8 नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

स्वामीनारायण गुरुकुल ग्राउंड पर आयोजित इस प्रतियोगिता के लिए सूरज चिंडालिया को चेयरमैन नियुक्त किया गया। इस टूर्नामेंट मे उसमे कुल 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें सुभाष श्यामसुखा और उत्तम बागरेचा की विजयनगर क्रिकेट क्लब टीम और आलोक बोरड़ की राइजिंग स्टार्स टीम ने फाइनल मे प्रवेश किया और शानदार समापन करते हुए राइजिंग स्टार्स ने ख़िताब जीता।

बैटसमैन ऑफ़ दि टूर्नामेंट विजयनगर क्रिकेट क्लब से रजत संचेती रहे, वही बॉलर ऑफ़ दि टूर्नामेंट व पूरे टूर्नामेंट मे अपने शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ़ दि सीरीज प्रदीप कोठारी को चुना गया। इस आयोजन के साथ ही महिलाओं के लिए भी ग्लैमर्स कप का आयोजन किया गया जिसमें शिल्पा कोठारी और स्वाति भूतोड़िया की टीम यंग वारियर्स विजेता रही। संचालन विकास बाँठिया ने किया।

आयोजन के मुख्य प्रायोजक मंगलीदेवी दुधेड़िया एंड संस, ग्राउंड और टेंट प्रायोजक गुरुपुनवानी प्रॉपर्टी एवं अन्य सभी प्रायोजक का आभार ज्ञापन अध्यक्ष मनोज बैद ने किया। इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया जिन्होंने पूरी सेवा दी। चेयरमैन सूरज चिंडालिया ने सभी सहयोगी, प्रायोजकों व खिलाड़ियों को धन्यवाद दिया। समापन के मौके पर शाम को बंदगी बेंड ने अपनी प्रस्तुति दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com